दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कर्नाटक सरकार ने शुरू की राजीव गांधी पंचायत राज अध्येतावृत्ति योजना

6 एडमिरल लक्ष्मीनारायण रामदास : जलमार्ग अवरुद्ध कर टिकवाए पाकिस्तान के घुटने, ढाका में गूंजा 'जय भारत'

7 केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संगम में लगाई पवित्र डुबकी

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार 26 जनवरी 2025 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी 2025 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

महाकुंभ में एनडीआरएफ की टीम ने 10 लोगों को डूबने से बचाया

महाकुंभनगर/भाषा। महाकुंभ मेला क्षेत्र के किला घाट पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवानों की मुस्तैदी की वजह से शनिवार को एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। यमुना नदी के किला घाट के पास 10 श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक नाव अनियंत्रित होकर पलट गई थी। एनडीआरएफ के उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि आज पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे किला घाट के पास 10 श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक नाव अचानक अनियंत्रित होकर डूबने लगी और नाव पर सवार लोगों ने चीख पुकार मचानी शुरू कर दी।

उन्होंने बताया कि मौके पर पानी में गश्त लगा रहे एनडीआरएफ के बचाव कर्मी तुरंत पानी में कूदे और सभी 10 श्रद्धालुओं को सकुशल बाहर निकाल लिया। नाव पर सवार आठ श्रद्धालु बिहार से और दो श्रद्धालु इंदौर से महाकुंभ मेले में आए थे।

टिकटॉक पर ट्रंप को धमकी देने के आरोप में इंडियाना का व्यक्ति गिरफ्तार

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी प्रांत इंडियाना के एक व्यक्ति को टिकटॉक पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कहा है कि गोशेन के डगलस थ्रेम्स (23) ने इस सप्ताह सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कई धमकियां दी हैं।

एफबीआई के एजेंट ने अदालत में शिकायत में कहा है टिकटॉक पर एक वीडियो में थ्रेम्स ने कहा कि ट्रंप को मार दिया जाना चाहिए ''और इस बार चूकना नहीं चाहिए। थ्रेम्स को हिरासत में ले लिया गया है और सोमवार को साउथ बेंड की संघीय अदालत में पेश किया जाएगा।

26-01-2025	27-01-2025
सूर्यास्त 6:07 बजे	सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
76,190.46	23,092.20
(-329.92)	(-113.15)

सोना	चांदी
8,245 रु.	102,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

राष्ट्रपति ने 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को किया संबोधित

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' साहसपूर्ण दूरदर्शिता का प्रयास, सुशासन के नए आयाम खुलेंगे : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने संबंधी सरकार की पहल को साहसपूर्ण दूरदर्शिता का एक प्रयास बताया और कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से सुशासन को नए आयाम दिए जा सकते हैं तथा इससे शासन में निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है और वित्तीय बोझ को कम किया जा सकता है।

राष्ट्रपति ने 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए सरकार के कई सुधारात्मक और कल्याणकारी कदमों तथा कानूनों का उल्लेख किया और कहा कि हाल के दौर में औपनिवेशिक मानसिकता को बदलने के ठोस प्रयास हमें दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में सांस्कृतिक विरासत के साथ देश का जुड़ाव और गहरा हुआ है तथा प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ उस समृद्ध विरासत की प्रभावी अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा सकता है।

राष्ट्रपति ने देश के आर्थिक विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने वित्तीय समावेशन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और साहसिक एवं दूरदर्शी आर्थिक सुधारों के बल पर आने वाले वर्षों में तरक्की की यह रफ्तार बनी रहेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले दशक में शिक्षा की गुणवत्ता, भौतिक अवसंरचना तथा डिजिटल समावेशन के आयामों में व्यापक बदलाव आया है। मुर्मू ने कहा, वर्ष 1947 में हमने स्वाधीनता प्राप्त कर ली थी, लेकिन औपनिवेशिक मानसिकता के कई अवशेष लंबे समय तक विद्यमान रहे। हाल के दौर में, उस मानसिकता को बदलने के ठोस प्रयास हमें दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों में-भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने का निर्णय सर्वाधिक उल्लेखनीय है।

राष्ट्रपति ने कहा कि न्याय शास्त्र की भारतीय परंपराओं पर आधारित इन नए अधिनियमों द्वारा दंड के स्थान पर न्याय प्रदान करने की भावना को आपराधिक न्याय प्रणाली के केंद्र में रखा गया है। मुर्मू ने कहा कि देश में चुनावों को एक साथ संपन्न कराने के लिए संसद में पेश किया गया विधेयक एक और ऐसा प्रयास है, जिसके जरिये सुशासन को नए आयाम दिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की व्यवस्था से शासन में निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है, नीति-निर्धारण से जुड़ी निष्क्रियता समाप्त की जा सकती है, संसाधनों के अन्यत्र खर्च हो जाने की संभावना कम हो सकती है तथा वित्तीय बोझ को कम किया जा सकता है। इसके अलावा, जनहित में अनेक अन्य लाभ भी हासिल हो सकते हैं।

इसरो ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की सफल 'डॉकिंग' का उल्लेख करते हुए शनिवार को कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

इसरो ने गत 16 जनवरी को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की 'डॉकिंग' सफलतापूर्वक की थी। अंतरिक्ष एजेंसी ने यह भी घोषणा की थी कि 'डॉकिंग' के बाद, एक वस्तु के रूप में दो उपग्रहों पर नियंत्रण स्थापित करने की प्रक्रिया भी सफल रही।

राष्ट्रपति ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, '' इसरो ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इस महीने, इसरो ने अपने सफल 'स्पेस डॉकिंग' प्रयोग से देश को एक बार फिर गौरवान्वित किया है। भारत अब विश्व का चौथा देश बन गया है जिसके पास यह क्षमता उपलब्ध है।'' उन्होंने कहा कि 'जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट' प्रकृति के रहस्यों की खोज का एक रोचक अभियान होने के साथ ही भारतीय विज्ञान के इतिहास में एक निर्णायक अध्याय भी है। मुर्मू ने कहा, ''इसके प्रमुख कार्यक्रम के तहत, इसी महीने 10 हजार भारतीयों की जीनोम अनुक्रमण को अनुसंधान के लिए उपलब्ध कराया गया है। ज्ञान के नए आयामों को खोलने वाली यह परियोजना जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान में नए मार्ग प्रशस्त करेगी तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को भी मजबूत बनाएगी।''

हिंदुओं की घटती जन्म दर गंभीर चिंता का विषय : विश्व हिंदू परिषद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने यहां आयोजित विराट संत सम्मेलन में हिंदुओं की घटती जन्म दर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य धर्म की तुलना में हिंदू समाज में जन्म दर निरंतर घट रही है। यह एक ज्वलंत समस्या है जिसे अब टाला नहीं जा सकता।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा ने धर्माचार्यों की मौजूदगी में कहा, आज का युवा जब इस समस्या पर ध्यान देगा तो ही इस समस्या का समाधान होगा। संत समाज को इस बारे में अपनी कथाओं, प्रवचनों के जरिए युवाओं का प्रबोधन करना होगा। उन्होंने कहा कि संत समाज को अपने यहां आने वाले श्रद्धालुओं के बीच यह विषय रखना होगा कि प्रत्येक हिंदू परिवार में तीन या चार बच्चे अवश्य होने चाहिए।

सम्मेलन में देश के कोने-कोने से सभी मत, पंथ, संप्रदाय के हजारों धर्माचार्य, मार्गदर्शक उपस्थित रहे। ओडिशा से आए प्रभाकर दास जी महाराज ने हिंदू समाज की एकता पर बल दिया, वहीं वाल्मीकि समाज से योगी उमेश नाथ जी महाराज ने हिंदू समाज से अपनी जनसंख्या बढ़ाने का निवेदन किया।

वंदे भारत

जम्मू-कश्मीर में विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन परीक्षण शनिवार को पूरा हुआ।

यदि सनातन धर्म मजबूत होगा, तो भारत मजबूत होगा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोगों से एकता का संदेश आगे लेकर जाने का आग्रह करते हुए कहा कि यदि सनातन धर्म मजबूत है तो ही यह देश मजबूत होगा।

उन्होंने विपक्षी दलों पर अपने राजनीतिक हितों के लिए जाति एवं धर्म के आधार पर इस देश को बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा करना राजद्रोह से कम नहीं है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में एक निजी टेलीविजन समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कुछ हलकों की तरफ से इस प्रदेश को चार भागों में बांटने की मांग खारिज करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की ताकत इसकी एकता में है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का संदेश, एकता और अखंडता का संदेश है और यह संदेश दुनिया को जाना चाहिए। यदि सभी संत, श्रद्धालु और यहां तक कि महाकुंभ का हिस्सा बने पर्यटक एकता के संदेश को लेकर दुनिया में जाते हैं तो सनातन धर्म और मजबूत होगा तथा यदि सनातन धर्म मजबूत होगा तो देश भी मजबूत होगा।

आतंकवाद, कट्टरपंथ का मिलकर भारत, इंडोनेशिया करेंगे मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए सुबियांतो आज कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इंडोनेशिया ने रक्षा विनिर्माण एवं आपूर्ति श्रृंखला में संयुक्त रूप से काम करने, द्विपक्षीय व्यापार में विविधता लाने एवं समुद्री सुरक्षा संबंधों को बढ़ावा देने का शनिवार को निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच व्यापक वार्ता के बाद स्वास्थ्य, समुद्री सुरक्षा, संस्कृति एवं डिजिटल क्षेत्रों में सहयोग के लिए कम से कम पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि दोनों पक्षों ने समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद रोधी और कट्टरपंथ से मुक्ति के क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और नियम आधारित व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जानी चाहिए। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी सेना की बढ़ती आक्रामकता पर वैश्विक चिंताओं के बीच यह टिप्पणी आई है।

भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए सुबियांतो रविवार को कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। भारत के साथ इंडोनेशिया की साझेदारी को बेहद महत्वपूर्ण करार देते हुए सुबियांतो ने कहा कि द्विपक्षीय आर्थिक भागीदारी में तेजी लाने के लिए उन्होंने अपने अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने प्रेस वार्ता में कहा कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने बंदरगाहों, हवाई अड्डों और रेलवे सहित लगभग सभी बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में भारतीय निवेश की मांग की। उन्होंने कहा कि रक्षा सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई जिसमें साझा प्लेटफॉर्म (सैन्य साजो सामान) की मरम्मत और रखरखाव तथा जहाज निर्माण में सहयोग शामिल है। ऐसा माना जा रहा है कि भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें खरीदने की इंडोनेशिया की इच्छा पर भी बातचीत में चर्चा हुई। मजूमदार ने कहा कि संपूर्ण स्वास्थ्य क्षेत्र ऐसा क्षेत्र है जिसमें सहयोग की अपार संभावनाएं हैं और इंडोनेशियाई पक्ष भारतीय स्वास्थ्य सेवा समूहों को अपने देश में अस्पताल स्थापित करने के साथ-साथ उनके डॉक्टरों को भारत में प्रशिक्षित करने के लिए भी बहुत उत्सुक है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

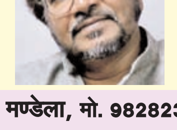

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कलुषित मन

कुछ करे हिंद का ही विरोध,
कुछ हिंदी का अपमान करे।
कुछ राष्ट्रगीत पर शंकित हैं,
कुछ अपने नए विधान करे।
कुछ उलझे जाति बंधनों में,
कुछ केवल छद्म बखान करे।
कलुषित मन वाले कैसे,
भारत का गौरव गान करे।।

तिलक वर्मा के शानदार अर्धशतक से भारत ने इंग्लैंड को दो विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तिलक वर्मा के नाबाद अर्धशतक की मदद से भारत ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के सामने शीर्षक्रम की नाकामी से उबरते हुए दूसरे टी20 मैच में शनिवार को दो विकेट से जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में बढत 2-0 की कर ली ।

तिलक 55 गेंद में चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे । उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों को सूझबूझ से खेला और चार गेंद बाकी रहते भारत को आठ विकेट पर 166 रन तक पहुंचाया । उन्हें दूसरे छोर से हालांकि अपेक्षित सहयोग नहीं मिला और इंग्लैंड के गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे ।

तिलक ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को चार छक्के लगाये और चौथे छक्के से अपना अर्धशतक भी पूरा किया । आर्चर ने चार ओवर में 60 रन दे डाले और एकमात्र विकेट संजू सैमसन का मिला । तिलक ने तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को भी डीप फाइन लेग में छक्का लगाया । कार्स ने 29 रन देकर तीन विकेट लिये ।

फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा ने भारत को आक्रामक शुरूआत दिलाई और आर्चर के पहले ही ओवर में तीन चौके लगाये । लेकिन मार्क वुड की 148 किमी की रफ्तार वाली गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे । इसके बाद आर्चर ने सैमसन को रवाना करके भारत को मुश्किल में डाल दिया । कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिये 39 रन जोड़कर स्कोर को 58 रन तक पहुंचाया । सूर्यकुमार को कार्स ने पवेलियन भेजा । इस समय भारत का स्कोर तीन विकेट पर 58 रन था । ध्रुव जुरेल और हार्दिक पंड्या भी सस्ते में आउट हो गए और स्कोर पांच विकेट पर 78 रन हो गया ।

वॉशिंगटन सुंदर ने हालांकि दस रन के स्कोर पर वुड की गेंद पर मिडआन में आदिल रशीद से मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए उपयोगी पारी खेली । उन्होंने वुड को एक छक्का और दो चौके लगाये लेकिन कार्स की गेंद पर थर्डमैन में कैच देकर लौट गए । भारत का स्कोर छह विकेट पर 116 रन था लेकिन तिलक ने एक छोर संभाले रखा और फिनिशर साबित हुए ।

मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मिली मंजूरी

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी देते हुए इस कदम के खिलाफ उसकी पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में वांछित है और भारत उसके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था। भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए राणा के पास यह अंतिम कानूनी मौका था। इससे पहले, वह सैन फ्रांसिस्को में नॉर्थ सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय समेत कई संघीय अदालतों में कानूनी लड़ाई हार चुका है। राणा ने 13 नवंबर को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद 21 जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने उसकी अपील खारिज कर दी।

हमास ने युद्धविराम के तहत चार इजराइली बंधकों को रिहा किया

इजराइल ने 200 फलस्तीनी कैदी छोड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल बलाह/तेल अवीव/एपी। हमास आतंकवादियों ने गाजा पट्टी में लड़ाई रोकने के लिए इजराइल के साथ हुए युद्ध विराम समझौते के तहत उसकी चार महिला सैनिकों को शनिवार को भीड़ के सामने परेड कराने के बाद रिहा कर दिया। वहीं, इजराइल ने अपनी चार महिला सैनिकों की रिहाई के बदले 200 फलस्तीनी कैदियों को छोड़ दिया। इनमें 120 ऐसे कैदी शामिल हैं, जो इजराइल के लोगों पर घातक हमलों के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद उम्रकैद की सजा काट रहे थे।

लगभग 70 फलस्तीनी कैदियों को मिस्र भेजा गया। मिस्र ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, इजराइल ने स्पष्ट किया कि वह विस्थापित फलस्तीनियों को फिलहाल उत्तरी गाजा में अपने घरों की ओर लौटने की इजाजत नहीं देगा।

सहज स्मृति योग

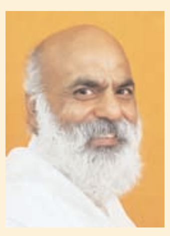

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप महाकुंभ में कल्पवास कर रहे हैं और आज विश्व हिंदू परिषद के संत सम्मेलन में आपने अपनी वाणी से क्या संदेश दिया ? आपकी दृष्टि में महाकुंभ मानवता को क्या देगा क्योंकि जो कोई भी माना जाना पहचाना जाता है वह लोक को कुछ देने के कारण ही जाना जाता है।

उत्तर: प्रयागराज में एक महाप्रयोग हो रहा है और वह है विश्व को दृष्टि देने का महाप्रयोग, और जिसे विश्व के समस्त जाग्रत मानव समझ रहे हैं। लेकिन इसको दिशा देने का दैनंदिन जीवन व्यवहार तो भारत राष्ट्र से ही फैलेगा क्योंकि हरेक समय युग, काल, अवधि में सनातन जीवन मूल्यों का वर्तमान में सम सामयिक वर्तन जिन जीवित व्यक्तियों में मूर्तिमान होता है वे ऋषि, संत और योगी ही हैं । केवल मेरा ही नहीं, श्रीमद् शंकराचार्य, वासुदेवानंद जी महाराज, योगी आदित्यनाथ, सुधांशु महाराज इत्यादि सभी का समवेत स्वर आज की संत संसदि यही रहा कि सनातन जीवन मूल्यों को गुरुकुल शिक्षा पद्धति से इन्हीं के माध्यम से देने से संभव होगा।

केजरीवाल छल और झूठ की राजनीति कर रहे हैं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर ''छल और झूठ की राजनीति'' करने का आरोप लगाया और लोगों से शहर के विकास के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की।

शाह पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए शहर में भाजपा की एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'आप' के इस दावे को लेकर भी उस पर हमला किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आने पर दिल्ली में सभी मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देगी। उन्होंने राजौरी गार्डन में रैली को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी ने खुद भरोसा दिलाया है कि दिल्ली में गरीबों के लिए कोई भी मौजूदा कल्याणकारी योजना बंद नहीं की जाएगी, लेकिन अरविंद केजरीवाल झूठ फैला रहे हैं... वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। मैं फिर से कह रहा हूं कि भाजपा गरीबों के कल्याण के लिए बनाई गई किसी भी योजना को बंद नहीं करेगी।

शाह ने आरोप लगाया कि 'आप' सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में दिल्ली के लोगों को धोखा देने के अलावा कुछ नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया, अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार मुक्त दिल्ली का वादा किया था, लेकिन करोड़ों रुपए का आबकारी घोटाला किया। शाह ने भाजपा के चुनावी वादों को दोहराया और लोगों से पार्टी को वोट देने तथा ''छल और झूठ की राजनीति'' को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के हाथ मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा, हमें दिल्ली को कचरा मुक्त बनाना है, आप-दा' को खत्म करना है और पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करनी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि दिल्ली को दुनिया की नंबर एक राजधानी बनाने के लिए भाजपा को जिताएं।

शाह, राजौरी गार्डन विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार मनजिंदर सिंह सिरसा के लिए प्रचार कर रहे थे।

दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव होना है और 8 फरवरी को मतगणना होगी।

भाजपा ने 'गिग वर्कर्स, मजदूरों के लिए कल्याणकारी योजनाओं, तीन साल में यमुना साफ करने का वादा किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार तेज होने के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने तीन साल में यमुना को साफ करने, 1,700 अनधिकृत कॉलोनियों में पूर्ण मालिकाना हक प्रदान करने और गिग श्रमिकों तथा मजदूरों के लिए कल्याणकारी उपाय करने का शनिवार को वादा किया। शाह ने आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन पर झूठ बोलने और अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में झूठ बोलने वालों और विश्वासघातियों से छुटकारा पाना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा है। भाजपा के घोषणापत्र में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड योजना के तहत जरूरतमंद छात्रों को दिल्ली मेट्रो में सालाना 4,000 रुपए तक की मुफ्त यात्रा का भी वादा किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र का तीसरा और अंतिम भाग जारी करते हुए कहा कि पार्टी के सत्ता में आने पर 1,700 अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को संपत्तियों का पूर्ण मालिकाना हक मिलेगा, जिससे बिक्री, खरीद और निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि भाजपा दिल्ली में गरीबों के लिए चल रहे किसी भी कल्याणकारी उपाय को नहीं रोकेगी। भाजपा नेता ने 'गिग वर्कर्स' और मजदूरों के लिए कई नई योजनाओं और कल्याणकारी उपायों का वादा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा 'गिग वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड' बनाएगी और 10 लाख रुपए का बीमा और 5 लाख रुपए का दुर्घटना कवर देगी।

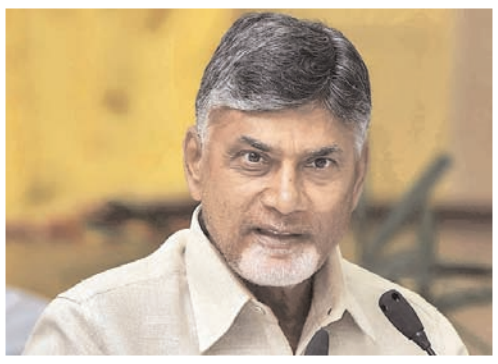

डब्ल्यूईएफ का मकसद सिर्फ समझौते करना नहीं, संपर्क बढ़ाना भी है: चंद्रबाबू नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की यात्रा का उद्देश्य सिर्फ समझौतों पर हस्ताक्षर करना नहीं है, बल्कि प्रभावशाली लोगों के साथ संपर्क बढ़ाना भी है। दावोस की अपनी हालिया यात्रा पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सहित कुछ वर्गों की आलोचना को दरकिनार कर दिया। आलोचकों का आरोप है कि नायडू के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल खाली हाथ लौट आया और उसने केवल नायडू के आत्म-प्रचार पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि अन्य राज्य सौदे करने में कामयाब रहे।

नायडू ने कहा, दावोस नेटवर्किंग के लिए एक जगह है। पूरी दुनिया चार दिन के लिए वहां जाती है। राष्ट्राध्यक्ष और मंत्री वहां जाते हैं। न केवल सरकारें, बल्कि सभी निगम वहां होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दावोस के बारे में एक मिथक है कि लोग वहां केवल समझौता ज्ञापनों (एमओयू) की संख्या और निवेश की राशि पर विचार करते हैं। नायडू के अनुसार, दावोस में आयोजित डब्ल्यूईएफ ज्ञान संवर्धन और नवीनतम रुझानों को सीखने के लिए सर्वश्रेष्ठ मस्तिष्कों को एक साथ लाता है।

जियोभारत फोन पर मुफ्त में मिलेगी यूपीआई भुगतान की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर जियोसाउंडपे सेवा शुरू करेगी। यह सुविधा जियोभारत फोन पर मुफ्त उपलब्ध होगी।

कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जियोसाउंडपे से बिना किसी 'साउंड बॉक्स' के यूपीआई भुगतान की सूचना मिल सकेगी।

कंपनी का दावा है कि देश में यह किसी भी मोबाइल फोन पर उपलब्ध अपने तरह की पहली सुविधा है। देश के पांच करोड़ से अधिक छोटे उद्यमियों व छोटे कारोबारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

कंपनी के मुताबिक, जियोसाउंडपे हर यूपीआई भुगतान का तत्काल, बहुभाषी संदेश देगा। इससे छोटे से छोटे किराना स्टोर, सब्जी विक्रेता और सड़क किनारे खाने-पीने की दुकानदारों के लिए व्यवसाय करना और आसान हो जाएगा। बयान के अनुसार फिलहाल, छोटे व्यापारी यूपीआई भुगतान की जानकारी सुनने के उपकरण के लिए हर महीने करीब 125 रुपए का भुगतान करते हैं। अब यह सेवा जियोसाउंडपे पर मुफ्त उपलब्ध होने के कारण जियोभारत फोन इस्तेमाल करने वाले उपयोगकर्ता सालाना 1,500 रुपए तक बचा पाएंगे।

जियो के अध्यक्ष सुनील दत्त ने कहा, जियो हर भारतीय को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में विश्वास करती है।

मतदाताओं को भेदभाव, प्रलोभन से ऊपर उठना चाहिए : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि मतदाताओं में लोकतंत्र में आस्था के अलावा यह दृढ़ संकल्प होना चाहिए कि वे संकीर्णता, भेदभाव और प्रलोभन से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि प्रबुद्ध मतदाता लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में सुधार लाने और इसे अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई प्रौद्योगिकियों एवं सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करने के लिए निर्वाचन आयोग की तारीफ की। कार्यक्रम में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में आस्था के अलावा मतदाताओं में यह दृढ़ संकल्प होना चाहिए कि वे अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते समय संकीर्णता, भेदभाव और प्रलोभन से ऊपर उठकर फैसला लेंगे... प्रबुद्ध मतदाता लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि चुनावों में भारत के समावेशी लोकतंत्र की प्रभावशाली झलक दिखाई देती है। उन्होंने मतदान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को समाज और देश के समग्र विकास का सूचक करार दिया। मुर्मू ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने 85 साल और उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों, दिव्यांगों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले आदिवासी मतदाताओं के लिए मतदान प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के वास्ते विशेष प्रयास किए हैं।

139 हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करने का निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 139 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों की शनिवार देर रात घोषणा की गयी। देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में शामिल इन पुरस्कारों में 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों में 23 महिलाएं हैं , दस विदेशी, एनआरआई, पीआईओ और ओसीआई श्रेणी के हैं। तेरह हस्तियों को ये पुरस्कार मरणोपरांत दिये जा रहे हैं।

ये पुरस्कार विभिन्न विषयों और गतिविधियों के क्षेत्रों में जैसे- कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा, आदि में दिये जाते हैं। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए , 'पद्म भूषण' उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और 'पद्म श्री' किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है।

ये पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा हर वर्ष मार्च और अप्रैल के आसपास राष्ट्रपति भवन में औपचारिक समारोहों में प्रदान किए जाते हैं।

पद्मविभूषण

1- श्री डी. नागेश्वर रेड्डी, मेडिसिन तेलंगाना
2- न्यायमूर्ति सेवानिवृत्त जगदीश सिंह खेहर, सार्वजनिक सेवा, चंडीगढ़
3- श्रीमती कुमुदिनी रजनीकांत लखिया, कला, गुजरात
4- श्री लक्ष्मी नारायण सुब्रमण्यम, कला, कर्नाटक
5- श्री एमटी वासुदेवन नायर (मरणोपरांत) साहित्य एवं शिक्षा, केरल
6- श्री ओसामु सुजुकी (मरणोपरांत) व्यापार और उद्योग, जापान
7- श्रीमती शारदा सिन्हा (मरणोपरांत) कला, बिहार

पद्मभूषण

8- श्री ए. सूर्य प्रकाश, साहित्य शिक्षा पत्रकारिता, कर्नाटक
9- श्री अनंतनाग, कला, कर्नाटक
10- श्री विवेक देबरॉय (मरणोपरांत) साहित्य और शिक्षा, एनसीटी दिल्ली
11- श्री जतिन गोस्वामी कला, असम
12- श्री जोस चाको पेरियापुराम, मेडिसिन, केरल
13- श्री कैलाश नाथ दीक्षित, आर्कियोलॉजी,एनसीटी दिल्ली
14- श्री मनोहर जोशी, (मरणोपरांत) सार्वजनिक सेवा, महाराष्ट्र
15- श्री नल्ली कप्पूस्वामी चेट्टी, व्यापार और उद्योग, तमिलनाडु
16- श्री नंदमुरी बालकृष्ण, कला, आंध्र प्रदेश
17- श्री पी आर श्रीजेश, खेल, केरल
18- श्री पंकज पटेल, उद्योग व्यापार, गुजरात
19- श्री पंकज उदास (मरणोपरांत) कला, महाराष्ट्र
20- श्री रामबहादुर राय, साहित्य शिक्षा पत्रकारिता, उत्तर प्रदेश
21- साध्वी ऋतंभरा, सामाजिक कार्य, उत्तर प्रदेश
22- श्री एस अजीत कुमार, कला, तमिलनाडु
23- श्री शेखर कपूर, कला, महाराष्ट्र
24- श्री सुशील कुमार मोदी (मरणोपरान्त) सार्वजनिक सेवा, बिहार
25- सुश्री शोभना चंद्र कुमार, कला, तमिलनाडु
26- श्री विनोद धाम, विज्ञान और इंजीनियरिंग, अमेरिका

पद्मश्री

27- श्री अद्वैत चरण गदानायक, कला, उड़ीसा
28- श्री अच्युत रामचंद्र पालव, कला, महाराष्ट्र
29- श्री अजय वी भट्ट, विज्ञान और इंजीनियरिंग, अमेरिका
30- श्री अनिल कुमार बोरो, साहित्य और शिक्षा, असम
31- श्री अरिजीत सिंह, कला, पश्चिम बंगाल
32- श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य, उद्योग व्यापार, महाराष्ट्र
33- श्री अरुणोदय शाह, साहित्य और शिक्षा, त्रिपुरा
34- श्री अरविंद शर्मा, साहित्य और शिक्षा, कनाडा
35- श्री अशोक कुमार महापात्र, चिकित्सा, ओडीशा
36- श्री अशोक लक्ष्मण शराफ़, कला, महाराष्ट्र
37- श्री आशुतोष शर्मा, विज्ञान और इंजीनियरिंग, उत्तर प्रदेश
38- श्रीमती अश्विनी भिड़े देशपांडे, कला, महाराष्ट्र
39- श्री बैजनाथ महाराज, अध्यात्म, राजस्थान
40- श्री बारी गोदफ्रे जॉन, कला, एनसीटी दिल्ली
41- श्रीमती बेगम बातूल, कला, राजस्थान
42- श्री भरत गुप्त, कला, एनसीटी दिल्ली
43- श्री भेरू सिंह चौहान, कला, मध्य प्रदेश
45- श्री भीम सिंह भावेश, सामाजिक कार्य, बिहार
45- श्रीमती भीमाव्वा डोडाबलप्पा सिलेख्यतारा, कला, कर्नाटक
46. श्री बुधेन्द्र कुमार जैन -दवा, मध्य प्रदेश
47. श्री सी.एस. वैद्यनाथन -सार्वजनिक मामलों - राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
48. श्री चैतराम देवचंद पवार-सामाजिक कार्य, महाराष्ट्र
49. श्री चंद्रकांत शेठ (मरणोपरांत)-साहित्य और शिक्षा, गुजरात
50. श्री चंद्रकांत सोमपुरा- अन्य-वास्तुकला, गुजरात
51. श्री चेतन ई चिटनिस- विज्ञान और इंजीनियरिंग, फ्रांस
52. श्री डेविड आर सिमलीह- साहित्य और शिक्षा, मेघालय
53 श्री दुर्गा चरण रणबीर- कला,ओडिशा
54. श्री फारूक अहमद मीर- कला, जम्मू- कश्मीर
55. श्री गणेश्वर शास्त्री द्रविड़- साहित्य और शिक्षा, उत्तर प्रदेश
56. श्रीमती गीता उपाध्याय- साहित्य और शिक्षा, असम
57. श्री गोकुल चंद्र दास- कला, पश्चिम बंगाल
58. श्री गुरुवायुर दोराई- कला, तमिलनाडु
59. श्री हरचंदन सिंह भट्टी-कला, मध्य प्रदेश
60. श्री हरिमन शर्मा-अन्य-कृषि, हिमाचल प्रदेश
61. श्री हरजिंदर सिंह श्रीनगर वाले- कला, पंजाब
62. श्री हरविंदर सिंह-खेल, हरियाणा
63. श्री हसन रघु- कला, कर्नाटक
64. श्री हेमंत कुमार-दवा, बिहार
65. श्री हृदय नारायण दीक्षित- साहित्य और शिक्षा, उत्तर प्रदेश
66. श्री ह्यूग और कोलीन गैंट्ज़र (मरणोपरांत)(युगल)-साहित्य एवं शिक्षा-पत्रकारिता, उत्तराखंड
67. श्री इनिवलप्पिल मणि विजयन-खेल, केरल
68. श्री जगदीश जोशीला-साहित्य और शिक्षा, मध्य प्रदेश
69. श्रीमती जसपिंदर नरूला- कला, महाराष्ट्र
70. श्री जोनास मसेट्टीअन्य-आध्यात्मिकता, ब्राजील
71. श्री जोयनाचरण बाथरी-कला, असम
72. श्रीमती जुमदे योमगाम गामलिन- सामाजिक कार्य, अरुणाचल प्रदेश
73. श्री के. दामोदरन- अन्य-पाककला, तमिलनाड
74. श्री के.एल. कृष्णा-साहित्य और शिक्षा, आंध्र प्रदेश
75. श्रीमती के.ओमानकुट्टी अम्मा-कला, केरल
76. श्री किशोर कुणाल (मरणोपरांत)- लोकसेवा, बिहार
77. श्री एल. हंगथिंग-अन्य-कृषि, नगालैंड
78. श्री लक्ष्मीपति रामसुब्बैयर- साहित्य एवं शिक्षा-पत्रकारिता, तमिलनाडु
79. श्री ललित कुमार मंगोत्रा- साहित्य और शिक्षा, जम्मू- कश्मीर
80. श्री लामा लोब्ज़ांग (मरणोपरांत)-अन्य-आध्यात्मिकता, लद्दाख
81. श्रीमती लीबिया लोबो सरदेसाई- सामाजिक कार्य, गोवा
82. श्री एम.डी. श्रीनिवास- विज्ञान और इंजीनियरिंग, तमिलनाडु
83. श्री मदुगुला नागफनी सरमा-कला, आंध्र प्रदेश
84. श्री महावीर नायक-कला, झारखंड
85. श्रीमती ममता शंकर-कला, पश्चिम बंगाल
86. श्री मंदा कृष्ण मडिगा-सार्वजनिक मामलों, तेलंगाना
87. श्री मारुति भुजंगराव चितामपल्ली- साहित्य और शिक्षा, महाराष्ट्र
88. श्री मिरियाला अप्पाराव (मरणोपरांत)- कला,आंध्र प्रदेश
89. श्री नागेन्द्र नाथ रॉय-साहित्य और शिक्षा,पश्चिम बंगाल
90. श्री नारायण (भुलाई भाई) मरणोपरांत - सार्वजनिक मामले, उत्तर प्रदेश
91. श्री नरेन गुरुंग, कला, सिक्किम
92. श्रीमती. नीरजा भाटिया, दवा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
93. श्रीमती. निर्मला देवी, कला, बिहार
94. श्री नितिन नोहरिया, साहित्य और शिक्षा, अमेरिका
95. श्री ओंकार सिंह पाहवा, व्यापार और उद्योग, पंजाब
96. श्री पी. दत्चनमूर्ति, कला, पुडुचेरी
97. श्री पंडी राम मंडावी, कला, छत्तीसगढ
98. श्री परमार लवजीभाई नागजीभाई, कला, गुजरात
99. श्री पवन गोयनका, व्यापार और उद्योग, पश्चिम बंगाल
100. श्री प्रशांत प्रकाश, व्यापार और उद्योग, कर्नाटक
101. श्रीमती. प्रतिभा सत्पथी, साहित्य और शिक्षा, ओडिशा
102. श्री पुरीसाई कन्नप्पा संबंदन, कला, तमिलनाडु
103. श्री आर अश्विन, खेल, तमिलनाडु
104. श्री आर जी चंद्रमोगन, व्यापार और उद्योग, तमिलनाडु
105. श्रीमती राधा भैन भट्ट, सामाजिक कार्य, उत्तराखंड
106. श्री राधाकृष्णन देवसेनापति, कला, तमिलनाडु
107. श्री रामदरश मिश्रा, साहित्य और शिक्षा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
108. श्री रणेन्द्र भानु मजूमदार, कला, महाराष्ट्र
109. श्री रतन कुमार परिमू, कला, गुजरात
110. श्री रेबा कांता महंत, कला, असम
111. श्री रेंथलेई लालराणा, साहित्य और शिक्षा, मिजोरम
112. श्री रिकी ज्ञान केज, कला, कर्नाटक
113. श्री सज्जन भजनका, व्यापार और उद्योग, पश्चिम बंगाल
114. श्रीमती सैली होलकर, व्यापार और उद्योग, मध्य प्रदेश
115. श्री संत राम देसवाल, साहित्य और शिक्षा, हरियाणा
116. श्री सत्यपाल सिंह, खेल, उत्तर प्रदेश
117. श्री सीनी विश्वनाथन, साहित्य और शिक्षा, तमिलनाडु
118. श्री सेतुरामन पंचनाथन, विज्ञान और इंजीनियरिंग, अमेरिका
119. श्रीमती शेखा शेखा अली अल-जबर अल-सबाह, दवा, कुवैत
120. श्री शीन काफ निजाम (शिव किशन बिस्सा), साहित्य और शिक्षा, राजस्थान
121. श्री श्याम बिहारी अग्रवाल, कला, उत्तर प्रदेश
122. श्रीमती सोनिया नित्यानंद, दवा, उत्तर प्रदेश
123. श्री स्टीफन नैप, साहित्य और शिक्षा, अमेरिका
124. श्री सुभाष खेतुलाल शर्मा, अन्य - कृषि, महाराष्ट्र
125. श्री सुरेश हरिलाल सोनी, सामाजिक कार्य, गुजरात
126. श्री सुरिंदर कुमार वासल, विज्ञान और इंजीनियरिंग, दिल्ली
127. श्री स्वामी प्रदीप्तानंद (कार्तिक महाराज), अन्य - अध्यात्मवाद, पश्चिम बंगाल
128. श्री सैयद ऐनुल हसन, साहित्य और शिक्षा, उत्तर प्रदेश
129. श्री तेजेन्द्र नारायण मजूमदार, कला, पश्चिम बंगाल
130. श्रीमती थियम सूर्यमुखी देवी, कला, मणिपुर
131. श्री तुषार दुर्गेशभाई शुक्ला, साहित्य और शिक्षा, गुजरात
132. श्री वादिराज राघवेन्द्राचार्य पंचमुखी, साहित्य और शिक्षा, आंध्र प्रदेश
133. श्री वासुदेव कामथ, कला, महाराष्ट्र
134. श्री वेलु आसान, कला, तमिलनाडु
135. श्री वेंकप्पा अम्बाजी सुगातेकर, कला, कर्नाटक
136. श्री विजय नित्यानंद सूरीश्वर जी महाराज, अन्य - अध्यात्मवाद, बिहार
137. श्रीमती विजयलक्ष्मी देशमाणे, दवा, कर्नाटक
138. श्री विलास डांगरे, दवा, महाराष्ट्र
139. श्री विनायक लोहानी, सामाजिक कार्य, पश्चिम बंगाल

स्पाइसजेट एक फरवरी से चेन्नई-प्रयागराज के बीच उड़ान संपर्क बढ़ाएगी

चेन्नई। घरेलू एयरलाइन स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि वह प्रयागराज-चेन्नई और प्रयागराज-हैदराबाद के बीच सीधी उड़ान संपर्क शुरू करेगी। कंपनी ने कहा कि महाकुंभ उत्सव में भाग लेने के इच्छुक यात्रियों की सेवा करने के लिए यह फैसला लिया गया। चेन्नई और हैदराबाद से प्रयागराज के लिए विशेष उड़ानें एक से 27 फरवरी तक संचालित की जाएंगी। प्रयागराज के लिए गुवाहाटी से ऐसी ही सेवाएं 11 से 28 फरवरी तक चलाई जाएंगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर और बेंगलूरु से और अधिक उड़ानें जोड़कर प्रयागराज के लिए अपनी दैनिक सेवाओं को भी बढ़ाएगी।

स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, स्पाइसजेट महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को निर्बाध संपर्क मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। गुवाहाटी, चेन्नई और हैदराबाद से सीधी उड़ानों तथा दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर और बेंगलूरु से बढ़े हुए फेरों के साथ हमारा लक्ष्य देश भर के भक्तों के लिए यात्रा को सुविधाजनक और सुलभ बनाना है।

राशन व्यापारियों की हड़ताल: केरल खाद्य आयोग ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य खाद्य आयोग ने शनिवार को प्रदेश में 27 जनवरी से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर राशन व्यापारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। आयोग द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राशन कार्डधारकों को उनके हक का अनाज प्राप्त करने से रोकने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें कहा गया, यह सुनिश्चित करना राज्य खाद्य आयोग की जिम्मेदारी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अध्याय दो की धारा 16 (6) (बी) के तहत गारंटीशुदा खाद्य अधिकारों को कायम रखा जाए और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाए।

विज्ञप्ति में कहा गया है, आयोग राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न की आपूर्ति में बाधा डालने वाली किसी भी कार्रवाई को गंभीरता से लेगा और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करेगा। राशन व्यापारी समन्वय समिति ने वित्त मंत्री के एन बालगोपाल और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री जी आर अनिल के साथ वार्ता विफल होने के बाद 27 जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की। व्यापारियों ने हड़ताल का आह्वान संशोधित वेतन पैकेज और केंद्र की प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली के विरोध में किया गया है। मंत्रियों ने राशन व्यापारियों से हड़ताल नहीं करने का अनुरोध किया ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्यवधान न आए। खाद्य मंत्री अनिल ने व्यापारियों से हड़ताल समाप्त करने की अपील की ताकि केरल के लोगों को खाद्यान्न न मिलने की स्थिति उत्पन्न न हो। बालगोपाल ने कहा, उन्हें सोचना चाहिए कि यह हड़ताल लाखों आम लोगों को बुरी तरह प्रभावित करेगी, जो अपने खाद्य पदार्थों के लिए राशन की दुकानों पर निर्भर हैं। हालांकि राशन व्यापारी समन्वय समिति के नेताओं ने कहा कि वे विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे, क्योंकि सरकार संशोधित वेतन पैकेज की उनकी प्राथमिक मांग पर चर्चा करने को तैयार नहीं है। समिति के एक नेता ने कहा, हमारी मुख्य मांग वेतन पैकेज में संशोधन है, लेकिन सरकार ने वित्तीय बाधाओं का हवाला देते हुए इनकार कर दिया है। इससे हमारे पास हड़ताल के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

केरल तट पर बिना वैध पंजीकरण के मछली पकड़ रही तमिलनाडु की नौका को तटरक्षक बलों ने रोका

तिरुवनंतपुरम। भारतीय तटरक्षक बल ने शनिवार को यहां विझिंगम तट के पास तमिलनाडु की एक मछली पकड़ने वाली नौका को बिना वैध पंजीकरण के मछली पकड़ते हुए रोका। रक्षा विभाग के एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। बयान में कहा गया कि 'न्यू थारू 2' नामक यह नौका तमिलनाडु के तूतीकोरीन में पंजीकृत पायी गयी और इसका संचालन नाबालिग चालक दल द्वारा किया जा रहा था जो केरल समुद्री मत्स्य विनियमन अधिनियम (केएमएफआरए) का उल्लंघन है। इसमें कहा गया है कि भारतीय तटरक्षक इंटरसेप्टर बोट आईसी-309 ने नियमित गश्त के दौरान 25 जनवरी, 2025 को विझिंगम के पास मछली पकड़ने वाली एक भारतीय नौका 'न्यू थारू 2' को रोका। इसमें कहा गया है, ...विझिंगम में बिना किसी वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र के और नाबालिग चालक दल के साथ मछली पकड़ी जा रही थी, जो केरल समुद्री मत्स्य विनियमन अधिनियम का उल्लंघन है। इसमें कहा गया है कि मछली पकड़ने वाली नौका, चालक दल के छह सदस्यों और 200 किलोग्राम मछलियों को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए विझिंगम में मत्स्य विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

वायनाड में बाघ के हमले के बाद लोगों ने उसे मार डालने की मांग के साथ किया प्रदर्शन

वायनाड। केरल में वायनाड जिले के मनाथवाडी क्षेत्र में एक बार फिर जबर्दस्त प्रदर्शन हुआ है तथा लोगों ने 47-वर्षीय एक महिला की जान ले लेने वाले बाघ को पकड़ने के बजाय उसे मार देने की मांग की है। मनाथवाडी क्षेत्र के 'प्रियदर्शिनी एस्टेट' में शुक्रवार सुबह अनुसूचित जाति की महिला राधा जब कॉफी तोड़ रही थी, तब बाघ ने उसे मार डाला था। महिला का शव उसके परिवार को सौंपे दिये जाने और अंतिम संस्कार हो जाने के बाद स्थानीय लोग वन अधिकारियों के आधार शिविर के बाहर इकट्ठा हो गये तथा उन्होंने मांग की कि इस बाघ को मार दिया जाए। टीवी चैनलों पर प्रसारित वीडियो के अनुसार उन्होंने यह जानना चाहा कि जब बाघ को मार डालने का आदेश है तो उसे पकड़ने की चेष्टा क्यों की जा रही है। वन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मुख्य वन्यजीव वार्डन प्रमोद जी कृष्णन ने आदेश दिया था कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार बाघ को पिंजरे में बंद करने या बेहोश करने के लिए अधिकतम प्रयास किए जाएं, ऐसा नहीं हो पाने पर उसे गोली मार दी जाए। हालांकि प्रदर्शनकारी इन बातों से संतुष्ट नहीं थे और उन्होंने आधारशिविर में प्रदर्शन जारी रखा। उनमें एस्टेट में रहने वाली महिलाएं भी थीं। बाघ के हमले के कारण शुक्रवार को भी क्षेत्र में तीव्र विरोध प्रदर्शन हुआ था तथा स्थानीय लोगों ने तब तक मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से रोक दिया था, जब तक अधिकारियों ने लोगों की सुरक्षा तथा बाघ को पकड़ने या मारने का आश्वासन नहीं दिया।

जेल अधिकारियों पर यूट्यूब चैनल चलाने वाले युवक का बाल जबरन काटने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। यूट्यूब पर खुद का चैनल चलाने वाले एक युवक के परिवार ने शनिवार को जिला जेल अधिकारियों पर जबरदस्ती उसके बाल काटने का आरोप लगाया। त्रिशूर निवासी इस युवक को हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया गया है। बाल काटे जाने के कारण परेशानी का अनुभव करने के बाद युवक को एक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा गया। जेल अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि त्रिशूर के एरानेलूर निवासी 26 वर्षीय मुहम्मद शाहीन शाह (जिसे यूट्यूब पर 'मनावलन' (दूल्हा) के नाम से जाना जाता है) को कथित तौर पर कॉलेज के छात्रों को कार से कुचलने का प्रयास करने के आरोप में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, जेल के मानदंडों के अनुसार बाल काटे गए। अधिकारी ने बताया कि परेशानी महसूस करने के बाद उसे त्रिशूर के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और फिलहाल वह निगरानी में है। हालांकि, उसके माता-पिता और भाई ने दावा किया कि उसके बाल जबरन काटे गए और फिर उसे त्रिशूर जिला जेल अधिकारियों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि दोषी कैदियों को भी अपने बाल काटने के लिए कुछ समय दिया जाता है, लेकिन शाह को हिरासत में भेजे जाने के दो घंटे के भीतर कथित तौर पर उसका बाल काटने का प्रयास किया गया । परिवार ने यह भी दावा किया कि अगले दिन, उसके बाल और दाढ़ी को जबरदस्ती काट दिया गया।

परिवार ने कहा, उसके बाल और दाढ़ी को इस हद तक काट दिया गया था कि वह पहचान में नहीं आ रहा था। उसने अधिकारियों से अनुरोध किया था कि उसे अपने बाल काटने के खिलाफ एक आवेदन दायर करने के लिए समय दिया जाए क्योंकि वह एक फिल्म में भूमिका की उम्मीद कर रहा था और अपनी भावी शादी के कारण भी वह ऐसा चाहता था। लेकिन उन्होंने उसके अनुरोध पर ध्यान नहीं दिया। त्रिशूर पुलिस ने उसे मंगलवार को कर्नाटक के कोडागु से पकड़ा था, जहां वह छिपा हुआ था। वह 19 अप्रैल, 2024 को हुई घटना के बाद से फरार था। इसके बाद उसे अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

ऑलराउंडर विजय शंकर के नाबाद 150 रन से तमिलनाडु जीत के करीब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सलेम। ऑलराउंडर विजय शंकर की नाबाद 150 रन की पारी की बदौलत तमिलनाडु ने शनिवार को यहां एलीट ग्रुप डी रणजी ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन पांच विकेट पर 305 रन पर पारी घोषित करने के बाद चंडीगढ़ के स्टंप तक 113 रन पर पांच विकेट झटकर जीत की ओर कदम बढ़ाए। तालिका की दो शीर्ष टीमों के बीच हुए मुकाबले में शंकर ने 171 गेंद की पारी के दौरान 12 चौके और पांच छक्के लगाए जबकि एन जगदीशन ने 89 रन का योगदान दिया जिससे तमिलनाडु ने चंडीगढ़ के सामने 403 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। यह शंकर का 11वां प्रथम श्रेणी और इस सत्र का दूसरा शतक है।

चंडीगढ़ की टीम पहली पारी में 204 रन पर सिमट गई थी और स्टंप तक उसने 33 ओवर में 113 रन तक पांच विकेट गंवा दिये थे। कप्तान मनन वोहरा 47 रन और वीशू कश्यप चार रन बनाकर संघर्ष कर रहे थे। टीम को जीत के लिए अभी भी 290 रन की जरूरत है। तमिलनाडु के लिए कप्तान रविश्रीनिवासन साई किशोर और एस अजीत राम ने दो-दो विकेट लिए जबकि एम मोहम्मद को एक विकेट मिला।

तमिलनाडु ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 27 रन से की। अजीत राम (07) और बाबा इंद्रजीत (03) को सस्ते में आउट होने के बाद शंकर ने जगदीशन का साथ दिया और 152 रन की साझेदारी की। आंद्रे सिद्धार्थ ने भी नाबाद 36 रन बनाए। जमशेदपुर में अनुज तिवारी (66) और आशुतोष सिंह (64) के अर्धशतकों की बदौलत छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 205 रन बनाकर झारखंड के खिलाफ तीसरे दिन 59 रन की बढ़त हासिल कर ली।

केरल में फोन पर पत्नी को तीन तलाक कहने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम। केरल में फोन पर पत्नी को एक साथ तीन तालक कहने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि कोल्लम जिले के म्यनागपल्ली निवासी अब्दुल बासित को दो दिन पहले गिरफ्तार किया गया और उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने बताया कि बासित पर मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम तथा बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा वह फिलहाल चावरा उपजेल में न्यायिक हिरासत में है।

पुलिस के मुताबिक बासित को उसकी 20 वर्षीय पत्नी की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया जो कोल्लम की चावरा की रहने वाली है। शिकायत के अनुसार बासित ने अपनी पहली शादी के बारे में खुलासा किये बगैर दूसरा निकाह किया था। इस दूसरे विवाह के बाद बासित कथित रूप से उसे एक किराये के मकान में ले गया क्योंकि उसकी पहली पत्नी उसके पारिवारिक मकान में रह रही थी।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब उसे पहली शादी का पता चला तो उसने बासित से उसके बारे में पूछा, इसपर उसका मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न किया जाने लगा। शिकायतकर्ता का कहना है कि बासित ने एक और महिला से शादी कर लेने की भी धमकी दी जिसके बाद उनके बीच बात और बिगड़ने लगी। शिकायत में कहा गया है कि दोनों के बीच झगड़े के बाद शिकायतकर्ता अपने मायके आ गयी। बासित ने 19 जनवरी को कथित रूप से उसे फोन किया और उसे फोन पर ही तीन तलाक कहते हुए अपने रिश्ते को समाप्त करने की घोषणा कर डाली।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया | Union Bank of India

अंचल कार्यालय, तृतीय तल,
नं.139, ब्रॉडवे (प्रकाशम सालै) चेन्नै 600104
दूरभाष 044-23460878
Email: pnd.fgmochennai@unionbankofindia.bank

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक अग्रणी राष्ट्रीकृत बैंक, **तमिलनाडु और पुदुच्चेरी** राज्य के लिए 2 वर्ष अवधि **हेतु गैर-सुरक्षा लेखन सामाग्री** के लिए मुद्रकों को सूचीबद्ध करने को इच्छुक है।

अधिक जानकारी हेतु, बैंक की वैबसाइट
www.unionbankofindia.co.in
एवं सरकारी पोर्टल
https://eprocure.gov.in देखें।

स्थान: चेन्नै
दिनांक: 26.01.2025

उप अंचल प्रमुख
अंचल कार्यालय, चेन्नै

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों का निवारण

रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना (आरबी-आईओएस)

- रिज़र्व बैंक ने अपनी सभी विनियमित संस्थाओं को उनके ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों का समाधान करने हेतु अपने स्तर पर एक व्यवस्था बनाए रखने का आदेश दिया है, जिसे विनियमित संस्थाओं का आंतरिक शिकायत निवारण तंत्र माना जाता है।
- रिज़र्व बैंक ने, रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना, 2021 (आरबी-आईओएस) के माध्यम से अपनी विनियमित संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई सेवाओं में कमियों से संबंधित ग्राहक शिकायतों के समाधान के लिए एक त्वरित और नि:शुल्क वैकल्पिक शिकायत निवारण तंत्र भी स्थापित किया है।
- बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), भुगतान प्रणाली प्रतिभागियों (पीएसपी) और साख सूचना कंपनियों (सीआईसी) को शिकायत निवारण तंत्र के तहत विनियमित संस्थाओं के रूप में माना जाता है।
- किसी भी विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध सभी शिकायतों के लिए आरबी-आईओएस "एक राष्ट्र एक ओम्बड्समैन" दृष्टिकोण अपनाता है। अत: शिकायतकर्ता के लिए अब यह जानना आवश्यक नहीं है कि उसे किस ओम्बड्समैन योजना/कार्यालय के तहत ओम्बड्समैन के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए।
- आरबी-आईओएस के अंतर्गत नहीं आने वाली विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों का समाधान भारतीय रिज़र्व बैंक के उपभोक्ता शिक्षण और संरक्षण कक्षों (सीईपीसी) द्वारा किया जाता है।
- आरबी-आईओएस और सीईपीसी के दायरे में आने वाली संस्थाओं की सूची https://cms.rbi.org.in पर देखी जा सकती है।

अगर आपको शिकायत हो तो क्या करें?

आप विनियमित संस्था के विरुद्ध उसकी शाखा में या शिकायत निवारण पोर्टल पर ऑनलाइन या उसकी वेबसाइट पर बताए गए किसी अन्य तरीके से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत की पावती प्राप्त करें या संदर्भ संख्या सुरक्षित रखें।

आरबीआई ओम्बड्समैन से संपर्क कब करें?

आप निम्नलिखित मामलों में आरबीआई ओम्बड्समैन से संपर्क कर सकते हैं:
- **विनियमित संस्था से 30 दिन के भीतर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होने पर** - विनियमित संस्था को की गई आपकी शिकायत की तारीख से एक वर्ष और 30 दिन के भीतर कभी भी।
- **विनियमित संस्था से प्राप्त उत्तर असंतोषजनक है** - संबंधित विनियमित संस्था से उत्तर प्राप्त होने के एक वर्ष के भीतर कभी भी।

ध्यान दें:
- आरबी-आईओएस में निर्दिष्ट शिकायत फार्म के अनुसार सभी अपेक्षित विवरण/जानकारी शिकायत में शामिल होनी चाहिए।
- शिकायत किसी अन्य मंच (जैसे न्यायालय) में निपटाई गई /लंबित नहीं होनी चाहिए या आरबीआई ओम्बड्समैन द्वारा पहले निपटाई नहीं गई हो।
- **विनियमित संस्था से संपर्क किए बिना आरबीआई ओम्बड्समैन के पास सीधे शिकायत दर्ज कराने पर उसे अस्वीकार किया जा सकता है।**

आरबीआई के पास शिकायत कैसे दर्ज करें?

विनियमित संस्था के विरुद्ध कोई भी शिकायत निम्न किसी भी माध्यम द्वारा दर्ज की जा सकती है:
- आरबीआई के शिकायत प्रबंध प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल https://cms.rbi.org.in के माध्यम से ऑनलाइन।
- आरबी-आईओएस के अनुबंध में निर्दिष्ट फॉर्म में भौतिक शिकायत (पत्र / डाक) "केंद्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केंद्र, चौथी मंजिल, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेक्टर -17, सेंट्रल विस्टा, चंडीगढ़ - 160017" को प्रेषित की जा सकती है।

आरबीआई के पास शिकायत दर्ज करने के बारे में अधिक जानकारी कैसे प्राप्त करें?

अधिक जानकारी के लिए आप आरबीआई संपर्क केंद्र के टोल-फ्री नंबर 14448 पर संपर्क कर सकते हैं। इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) युक्त संपर्क केंद्र 24x7 उपलब्ध है, जबकि संपर्क केंद्र कर्मियों से अंग्रेजी, हिंदी और दस क्षेत्रीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तेलुगु और तमिल) में बात करने की सुविधा राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर सोमवार से शनिवार सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे के बीच उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए

कृपया देखें :
भारतीय रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना, 2021 पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न - https://www.rbi.org.in/hindi/Scripts/Faqs.aspx?did=56
या
सीएमएस पोर्टल- https://cms.rbi.org.in

(निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम के विरुद्ध शिकायतों के लिए कोई भी व्यक्ति निम्नलिखित पते/ ईमेल आईडी पर शिकायत दर्ज कर सकता है)
महाप्रबंधक
शिकायत निवारण कक्ष
निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम
भारतीय रिज़र्व बैंक भवन, दूसरी मंजिल
मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन के सामने
भायखला, मुंबई – 400 008
ई-मेल dicgc.complaints@rbi.org.in
टेलीफोन नं. 022- 2301 9645

सम्मान

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उदयपुर में गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर सहेलियों की बाड़ी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शनिवार को 'एट होम' कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कला, साहित्य और विभिन्न अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान भी किया।

रक्षा उत्पादन में भारत आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। यादव ने शनिवार को यहां भारतीय सेना की ओर से आयोजित सैन्य मेला के अवसर पर सम्बोधित करते हुये कहा कि पिछले वर्ष एक लाख 27 हजार करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन हुआ था, जिसे बढ़ाकर अब तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहली प्राथमिकता यह है कि रक्षा उपकरणों के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बने और इसके तहत उनके नेतृत्व में अब भारतीय सेना मजबूत स्थिति में है।

उन्होंने भारतीय सेना का जिक्र करते हुये कहा कि इस तरीके के मेले नौजवानों के लिये प्रेरणा के माध्यम बनते हैं। इससे सेना को करीब से देखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि सेना भारतीय सीमा पर विदेशी आक्रमण से देश की रक्षा करने के साथ ही विशेष परिस्थितियों में आपदा में नागरिकों की मदद का काम करती है। उन्होंने केरल के वायनाड का जिक्र करते हुये कहा कि वहां भूस्खलन होने पर नौ दिन तक सेना ने राहत अभियान चला कर कई नागरिकों की जान बचाई।

यादव ने कहा कि भारतीय सेना बहादुरी और अनुशासन में रहकर काम करती है। चाहे माइनस 20 डिग्री तापमान में सीमा की सुरक्षा हो या आंतरिक चुनौतियां हों, यह कभी पीछे नहीं हटती। देश सेवा के लिये हमेशा तत्पर रहती है।

उन्होंने कहा, पहले हम जिन देशों से हथियार खरीदते थे, अब उन्हीं देशों को हथियार निर्यात कर रहे हैं। रक्षा के मामले में भारतीय सेना बहुत आगे निकल चुकी है। जहां 2013-14 में रक्षा निर्यात 618 करोड़ रुपये था, अब 21 हजार 83 करोड़ पर पहुंच गया है। 'मेक इन इंडिया' के तहत भारत ने अब अपनी सेना के लिए हथियारों का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारत की क्षमताओं को पूरा विश्व देख चुका है।

इससे पहले भारतीय सेना की ओर से अलवर के केंद्रीय विद्यालय नंबर एक के खेल मैदान में 'अपनी सेना को जानो' के विषय पर सैन्य मेला आयोजित हुआ। सेना द्वारा आधुनिक टैंक, हथियार आदि का प्रदर्शन किया गया।

कुछ एसएसबी द्वारा डॉग शॉ एवं रानी लक्ष्मी बाई मार्शल आर्टस एकेडमी द्वारा आत्मरक्षा की तकनीक एवं लाठी चलाने का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्र की सेवा में बहादुर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान, अद्वितीय साहस और समर्पण को एक श्रद्धांजलि दी गयी।

राजस्थान पुलिस के दो अधिकारियों को मिलेगा राष्ट्रपति पदक, गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल करेंगे सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर के महाराणा भूपाल स्टेडियम में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राजस्थान के दो अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) को राष्ट्रपति पुलिस पदक और 15 अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। राज्यपाल हरीभाऊ किसनराव बागडे. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर इन अधिकारियों को सम्मानित करेंगे।

समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सचिन मित्तल और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एस. सेंगाथिर को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। यह पदक उनकी उत्कृष्ट सेवा और योगदान को मान्यता देते हुए प्रदान किया जाएगा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 15 अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस पदक से नवाजा जाएगा। इनमें विभिन्न विभागों और स्तरों के अधिकारी शामिल हैं।

सम्मानित होने वालों में रिटायर्ड एएसपी स्तर के कान सिंह भाटी, पुलिस दूरसंचार अजमेर वेदप्रकाश बालोदिया, लीगल सेल जोधपुर मांगी लाल राठौड, उपाधीक्षक पुलिस दूरसंचार उदयपुर अनिल कुमार रेवाडिया, इंस्पेक्टर एमटी पुलिस मोटर ड्राईविंग स्कूल बीकानेर गुरजिन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक कार्यालय झुन्झुनूं गोपाल लाल जांगिड़, कंपनी कमाण्डर महाराणा प्रताप बटालियन प्रतापगढ़ हवा सिंह और राजस्थान पुलिस अकादमी के निरीक्षक राम प्रसाद शर्मा को सम्मानित किया जाएगा। उप निरीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा सुरेन्द्र सिंह शेखावत, सहायक उप निरीक्षक जिला विशेष शाखा पुलिस अधीक्षक कार्यालय जयपुर ग्रामीण बाबू लाल जाट, सहायक उप निरीक्षक जिला विशेष शाखा दक्षिण जयपुर कल्याण सहाय शर्मा, सहायक उप निरीक्षक सीआईडी एसएसबी जयपुर पप्पू कुमावत, कांस्टेबल-261 प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर छगनाराम, कांस्टेबल- 383 एसओजी यूनिट अजमेर रामदेव एवं कांस्टेबल-234 एमबीसी खेरवाडा उदयपुर हाल सेवानिवृत्त नरेन्द्र कुमार को पुलिस पदक प्रदान कर सम्मानित किया जा रहा है।

राजस्थान पुलिस बैंड की मोहक धुनों पर बही राष्ट्रभक्ति की रसधार 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्ता हमारा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर राजस्थान पुलिस के बैंड, हाड़ी रानी महिला बटालियन पाइप पुलिस बैंड, तेरहवीं बटालियन बैंड, जयपुर पुलिस आयुक्तालय के बैंड तथा आरएसी की चौथी एवं पांचवी बटालियन के बैंडवादकों ने अपनी सामूहिक प्रस्तुतियों में देशभक्ति की बयार बहाकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। बैंड वादकों ने जय हो...', कदमकदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा, ये जिंदगी है कौम की तू कौम पर लुटाए जा....' जैसे देश भक्ति के नगमों की धुनों की आकर्षक प्रस्तुतियों से समां बांधते हुए माहौल में देश भक्ति का रस घोल दिया जिस को वहां उङ्पस्थित लोगों ने जम कर सराहा । राजस्थान पुलिस के बैंडवादकों के इस दल ने आकर्षक गणवेश में अनुशासन और लयबद्धता के साथ प्रस्तुतियों की अमिट छाप छोड़ी।

पुलिस महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने पाईप बैण्ड कंन्डक्टर श्रीमती पूनम सपेरा को नागालैण्ड में आयोजित 25वीं अखिल भारतीय पुलिस बैण्ड प्रतियोगिता 2024 में राजस्थान पुलिस महिला पाईप बैण्ड ने गोल्ड मैडल (प्रथम स्थान) एवं पाईप बैण्ड कंन्डक्टर में पाईप बैण्ड का बेस्ट कन्डक्टर चुने जाने एवं ऑल ओवर चैंपियनशिप ट्रॉफी से नवाजा जाने पर उन्हें शुभकामनायें देकर उनका हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम में मौजूद पुलिस महानिदेशक एससीआरबी, साईबर क्राईम एवं तकनीकी सेवायें हेमन्त प्रियदर्शी, सहित पुलिस मुख्यालय से एडीजी और आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बैंडवादक पुलिसकर्मियों की हौसला अफ़ज़ाई की। वहीं बैंडवादकों की प्रस्तुतियों ने आमजन और गणमान्य लोगों से भी खूब तालियां बटोरी।

मतदान बहुत बड़ी ताकत : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र बताते हुए कहा है कि मतदान में इतनी ताकत है कि इससे छोटे को बड़ा किया जा सकता है और बहुत बड़े को भी छोटा किया जा सकता है। बागड़े शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बगैर लालच के निर्भीक होकर मतदान में सभी को भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी को निर्भीक और निष्पक्ष होकर मतदान करते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की शपथ भी दिलाई।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय मूल की संस्कृति, आचार पद्धति विश्व भर में प्रेरणा देने वाली रही है। इस संस्कृति के कारण ही लोकशाही हमारे यहां आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि आजादी मिलने पर चर्चिल ने कहा था कि भारत अज्ञानी देश है, यहां लोकतंत्र पनप नहीं सकेगा। पर यह हमारी मानवीय मूल्यों पर आधारित संस्कृति ही है, जिससे भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र बना। उन्होंने नए युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने और मतदान में भागीदार बनने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने सभी को मतदान करने, मतदान सूचियों की त्रुटियां दूर करने में सहयोग करने और एक मतदाता का दो या तीन स्थानों पर नाम होने पर स्वयं प्रेरित होकर उसे एक ही स्थान पर सूची में नाम रखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि 'मतदाता दिवस' की सार्थकता इसमें है कि सामुहिक प्रयासों से अधिकाधिक मतदान हो। मतदान से कोई वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस मतदान के प्रति जागरूक ही नहीं करता बल्कि वोट देकर लोकतंत्र को मजबूत करने से जुड़ा प्रेरक पर्व है। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने समारोह में मतदान जागरूकता के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले 35 अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आरंभ में उन्होंने मतदान जागरूकता के आलोक में निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन कर मतदान और लोकतंत्र से संबंधित पेंटिंग्स की सराहना की। उन्होंने नवीन युवा मतदाताओं को इस अवसर पर सम्मानित किया।

भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजीव कुमार का संदेश भी इस दौरान प्रसारित किया गया। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। जल्द ही देश सौ करोड़ मतदाता वाला राष्ट्र हो जाएगा।

यह कई देशों के संयुक्त मतदाता संख्या से भी अधिक है। राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता ने मतदान दिवस को उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मतदान के महत्व की चर्चा करते हुए राजस्थान में मतदान के किए किए गए नवाचारों और मतदान दिवस के इतिहास और महत्व के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

राज्यपाल के सचिव डा. पृथ्वीराज भी इस अवसर पर मौजूद थे। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डा. जितेंद्र सोनी ने सभी का आभार जताया। समारोह में आदिवासी कलाकारों द्वारा वोट तुम डारो रसिया, लोकतंत्र की सुनो पुकार मत खोना अपना अधिकार पर नृत्य और संगीत प्रस्तुति दी गई।

स्वागत

अजमेर में शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का अजमेर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

संबोधन

शनिवार को भारतीय फ़िल्म जगत के प्रतिष्ठित 25वें आईफा अवार्ड समारोह की मेजबानी राजस्थान के जयपुर को मिलने पर आज मुंबई में प्रेस वार्ता के माध्यम से पत्रकार बंधुओ को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने संबोधित किया।

पुलिस ने अल सुबह शहर में चलाया संदिग्ध अपराधियों के खिलाफ छापामार अभियान

जयपुर,। जयपुर पुलिस ने शनिवार अल सुबह अभियान चलाकर आयुक्तालय के दक्षिण जिले के अलावा सभी थाना क्षेत्रों के लगभग 200 हार्डकोर एवं संदिग्ध बदमाशों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो एवं उन्हें त्वरित न्याय मिल सके, इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि जयपुर पुलिस द्वारा आयुक्तालय के सभी थाना क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सिटी कुवंर राष्ट्रदीप ने बताया कि इस अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया एवं उनके खिलाफ विधि एवं न्याय अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपायुक्त पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि जिला पूर्व के सभी थाना क्षेत्रों में चलाए गए अभियान में 170 बीएनएस में एनडीपीएस एक्ट,एमवीएक्ट, में लगभग 100 अपराधियों को गिरफ़्तार किया।एक वाहन चोर का मोटरसाइकिल सहित गिरफ़्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पश्चिम जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अलसुबह दबिश देकर 170 बीएनएस, एनडीपीएस एक्ट,207 एमवीएक्ट में लगभग 30 अपराधियों को गिरफ़्तार किया। पुलिस उपायुक्त उत्तर राशि डूडी डोगरा ने बताया कि उत्तर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अपराधियों के खिलाफ धरपकड़ अभियान चलाया है।

जयपुर में दंपति की गोली मारकर हत्या

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में शुक्रवार को एक दंपति की उनके परिचित ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह वारदात सांगानेर सदर थाना क्षेत्र की शांति विहार कॉलोनी में हुई। थानाधिकारी नंदलाल के मुताबिक, मृतकों की पहचान राजाराम (26) और आशा मीणा (25) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों सांगानेर रीको क्षेत्र की एक फैक्टरी में काम करते थे। नंदलाल के अनुसार, आशा की फैक्टरी में काम करने वाला मोनू बातचीत के लिए उसके घर पहुंचाया था और इस दौरान राजाराम की बहन भी वहां मौजूद थी। उन्होंने बताया कि पुलिस को घटनास्थल से एक खाली कारतूस मिला है।

भारत की सांस्कृतिक नैतिकता से परिचित कराने का राजस्थान विधानसभा का प्रयास है संविधान दीर्घा : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 76वें गणतन्त्र दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है और कहा है कि गणतन्त्र दिवस पर हम सभी को राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेना होगा। देवनानी ने कहा कि भारत की आत्मा भारतीय संविधान है। भारत के संविधान के प्रति श्रद्धा और जागरूकता बढाने के लिए राजस्थान विधानसभा में संविधान दीर्घा का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा है कि इस दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं को भारत और भारत की सांस्कृतिक नैतिकता से परिचित कराना है। देवनानी ने आमजन से राजस्थान विधानसभा में बनाई गई संविधान दीर्घा का अवलोकन करने का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि संविधान में नन्दलाल बोस द्वारा चित्रित भारतीय सभ्यता, संस्कृति, इतिहास और विरासत का संविधान दीर्घा में प्रदर्शन किया गया है। मूल संविधान के 22 भागों के आरम्भ में प्रदर्शित कलाकृतियों यथा रामायण में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के वनवास से घर वापसी का दृश्य, कृष्ण के उपदेश, गौतम बुद्ध व भगवान महावीर का जीवन, सम्राट अशोक एवं विक्रमादित्य के सभागार के दृश्य, छत्रपति शिवाजी, गुरू गोविन्द सिंह, रानी लक्ष्मीबाई, स्वतन्त्रता संग्राम में महात्मा गांधी के दाण्डी मार्च और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का चित्रण किया गया है। देवनानी ने कहा कि गणतन्त्र दिवस को सभी उत्सव के साथ मनाये और राष्ट्र की एकता और अखण्डता को बनाये रखने में भागीदार बने।

गणतंत्र दिवस : कर्तव्य पथ पर भारत अपनी सैन्य शक्ति, विरासत का प्रदर्शन करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में यहां रविवार को कर्तव्य पथ पर अपनी सैन्य शक्ति और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करने के अलावा विरासत और विकास का प्रतीकात्मक संगम प्रदर्शित करेगा। राष्ट्र संविधान के लागू होने का 'प्लेटिनम जुबली' भी 26 जनवरी को मनाएगा।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। परेड में इंडोनेशिया का एक मार्चिंग दस्ता और बैंड का एक दल भी भाग लेगा। सुबियांतो गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने वाले इंडोनेशिया के चौथे राष्ट्रपति होंगे। इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो 1950 में, भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे।

इस वर्ष समारोहों का मुख्य आकर्षण संविधान का 75 साल पूरा होना है, लेकिन झांकियों का विषय 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' है। रविवार को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 16 झांकियां और केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और संगठनों की 15 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी।

देश अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन ब्रह्मोस, पिनाक और आकाश सहित कुछ अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों का प्रदर्शन करेगा। साथ ही, सेना की युद्ध निगरानी प्रणाली 'संजय' और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की सतह से सतह

पर मार करने वाली सामरिक मिसाइल 'प्रलय' पहली बार परेड में शामिल की जाएगी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि टी-90 'भीष्म' टैंक, सारथ (पैदल सेना ले जाने वाला वाहन बीएमपी-2), शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम' 10 मीटर, नाग मिसाइल सिस्टम, मल्टी बैरल रॉकेट लांचर सिस्टम 'अग्निबाण' और 'बजरंग' (हल्का विशिष्ट वाहन) भी परेड का हिस्सा होंगे। परेड में कई अन्य चीजें भी पहली बार देखने को मिलेंगी, जैसे तीनों सेनाओं (थलसेना, वायुसेना, नौसेना) की झांकी, जो सशस्त्र बलों के बीच ''तालमेल'' को दर्शाएगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, झांकी में युद्ध के मैदान का परिदृश्य दिखाया जाएगा, जिसमें स्वदेशी अर्जुन युद्धक टैंक, तेजस लड़ाकू विमान और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर के साथ थल, जल और वायु में समन्वित अभियान का प्रदर्शन किया जाएगा। तीनों सेनाओं की झांकी का विषय 'सशक्त और सुरक्षित भारत' होगा। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, डीआरडीओ 'रक्षा कवच -बहु-क्षेत्रीय खतरों के खिलाफ बहु-स्तरीय सुरक्षा' विषय पर एक झांकी पेश करेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करेंगी।

छब्बीस जनवरी का दिन इसलिए भी खास है कि संविधान के लागू होने के 75 साल पूरे हो रहे हैं। संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था। परेड से पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। परेड सुबह राष्ट्रीय सलामी के साथ शुरू होगी और 90 मिनट तक जारी रहेगी, जो भारत की विरासत और विकास यात्रा को दर्शाएगी। सी-130जे सुपर हरक्यूलिस, सी-295, सी-17 ग्लोबमास्टर, पी-8आई, मिग-29 और एसयू-30 सहित अन्य विमान भी समारोह का हिस्सा होंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, औपचारिक परेड की शुरुआत 300 सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले वाद्ययंत्रों पर 'सारे जहां से अच्छा' की धुन बजाकर की जाएगी।

दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार परेड कमांडर होंगे, जबकि परेड सेकेंड-इन-कमान, दिल्ली क्षेत्र के चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) मेजर जनरल सुमित मेहता होंगे।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियां रोकने के लिए सीमा पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखें : बीएसएफ एडीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया और सैनिकों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए सीमा पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने का निर्देश दिया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी।

प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ के अतिरिक्त महानिदेशक (पश्चिमी कमान) सतीश एस खंडारे 23 जनवरी को तीन दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे, जहां उन्होंने कठुआ और जम्मू जिलों के अग्रिम इलाकों का दौरा किया। इस दौरान फील्ड कमांडरों ने उन्हें सीमा पर मौजूदा सुरक्षा स्थिति की जानकारी दी।

शनिवार को बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर मुख्यालय में प्रहरी सम्मेलन को संबोधित करते हुए खंडारे ने कर्तव्यों के प्रति समर्पण के लिए सैनिकों की प्रशंसा की और उनसे राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए सीमा पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए कहा।

बीएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक, खंडारे ने कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया, जहां उन्हें फील्ड कमांडरों ने अभियानगत पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खंडारे ने जम्मू जिले के अखनूर सीमा क्षेत्र का भी दौरा किया, जहां सेक्टर कमांडर और बटालियन कमांडेंट ने उन्हें बीएसएफ की अभियानगत तैयारियों से अवगत कराया।

भारत में पशुओं के काटने के हर चार में से तीन मामले कुत्तों से जुड़े: लैंसेट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'द लैंसेट इन्फेक्शियस डिजीज जर्नल' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार पशुओं के काटने की हर चार में से तीन घटनाओं में कुत्ते शामिल होते हैं और भारत में रेबीज के कारण हर वर्ष 5,700 से अधिक लोगों की मृत्यु होने का अनुमान है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने मार्च 2022 से अगस्त 2023 तक देशभर के 15 राज्यों के 60 जिलों में एक सर्वेक्षण किया। इस दौरान 78,800 से अधिक परिवारों में 3,37,808 व्यक्तियों से परिवार में पशुओं के काटने, एंटी-रेबीज टीकाकरण और पशुओं के काटने से होने वाली मौतों के बारे में पूछा गया। आईसीएमआर-राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान, चेन्नई के शोधकर्ताओं समेत विभिन्न शोधकर्ताओं ने पाया कि पशुओं के काटने की हर चार में से तीन घटनाओं के लिए कुत्ते जिम्मेदार थे। सर्वेक्षण में शामिल 2,000 से अधिक लोगों ने पशुओं के काटने की पूर्व की घटना के बारे में जानकारी दी, जिनमें से 76.8 प्रतिशत (1,576) घटनाओं में कुत्तों ने काटा। इसके अलावा शोध के लेखकों ने कहा कि प्रति हजार लोगों में से छह को किसी जानवर ने काटा है, जिसका अर्थ है कि राष्ट्रीय स्तर पर 91 लाख लोगों को जानवर काट चुके हैं। उन्होंने कहा, हमारा अनुमान है कि भारत में प्रतिवर्ष रेबीज से 5,726 लोगों की मृत्यु होती है। शोध लेखकों ने कहा कि इन अनुमानों से यह समझने में मदद मिल सकती है कि देश 2030 तक मनुष्यों में कुत्तों से होने वाले रेबीज के मामलों को समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है या नहीं।

भारत का बढता आत्मविश्वास खेलों में प्रदर्शन में भी दिख रहा है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि भारत का बढ़ता आत्मविश्वास खेल के क्षेत्र में भी दिखाई दे रहा है जिसमें देश के एथलीटों ने कामयाबी की रोमांचक कहानियां लिखी हैं।

76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी जीत की ललक से देश को गौरवान्वित किया है और अगली पीढ़ी को ऊंचे लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, ''एक राष्ट्र के रूप में हमारा बढ़ता आत्मविश्वास खेलों के क्षेत्र में भी दिखाई देता है जिसमें हमारे खिलाड़ियों ने कामयाबी की रोचक कहानियां लिखी है। पिछले साल हमारे खिलाड़ियों ने ओलंपिक खेलों में अपनी छाप छोड़ी। पैरालंपिक खेलों में हमने अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके लौटा। हमारे शतरंज चैंपियन ने दुनिया को प्रभावित किया और हमारे पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने फिडे शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2024 के दौरान खेलों में उपलब्धियों की अगुवाई डी गुकेश ने की जो सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने। खिलाड़ियों को जमीनी स्तर पर बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं के माध्यम से सहायता दी जा रही है। भारत ने पेरिस ओलंपिक में छह पदक जीते और उसके बाद पैरालंपिक में सात स्वर्ण और नौ रजत सहित 29 पदक जीतकर इतिहास रचा।

भारत इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो का स्वागत कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं : प्रधानमंत्री मोदी

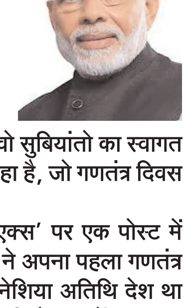

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का स्वागत कर सम्मानित महसूस कर रहा है, जो गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि होंगे।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि जब भारत ने अपना पहला गणतंत्र दिवस मनाया था, तब इंडोनेशिया अतिथि देश था और रविवार को देश जब गणतंत्र के रूप में 75 साल पूरे होने का जश्न मनाएगा, तब सुबियांतो मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, भारत (इंडोनेशिया के) राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का स्वागत कर सम्मानित महसूस कर रहा है। मोदी ने कहा कि उन्होंने और सुबियांतो ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

चर्चा के दौरान भारत और इंडोनेशिया ने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने और खासतौर पर रक्षा विनिर्माण एवं आपूर्ति शृंखला के क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता के साथ छेड़छाड़ की : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले एक दशक में निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता के साथ गंभीर रूप से छेड़छाड़ की है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आयोग की संस्थागत ईमानदारी का लगातार क्षरण गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि हरियाणा और महाराष्ट्र के हाल के विधानसभा चुनावों को लेकर व्यक्त की गई चिंताओं पर आयोग का रुख आश्चर्यजनक रूप से पक्षपात से भरा रहा है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भले ही हम राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाते हैं, पिछले 10 वर्षों में भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत ईमानदारी का लगातार क्षरण गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, हमारा निर्वाचन आयोग और हमारा संसदीय लोकतंत्र, व्यापक संदेह के बावजूद, दशकों से निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्व स्तर पर अनुकरण के लिए आदर्श बन गया। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की प्राप्ति तथा पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय हमारे नीति निर्माताओं के दृष्टिकोण का प्रतीक है। खरगे के अनुसार, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कायम रखने में लापरवाही अनजाने में सत्तावाद का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

नीति आयोग की रिपोर्ट में ओडिशा का शीर्ष स्थान पर पहुंचना खुशी की बात : पटनायक

भुवनेश्वर/भाषा। नीति आयोग की 2022-2023 के लिए पहली राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) रिपोर्ट में सूचीबद्ध राज्यों में, शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के रूप में ओडिशा के उभरने पर बीजद अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि राज्य को वित्तीय दिवालियापन से प्रथम स्थान पाते देखना खुशी की बात है। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने भी राज्य की उपलब्धि की सराहना करते हुए पोस्ट में कहा, देश के 18 प्रमुख राज्यों में राजकोषीय स्वास्थ्य की रैंकिंग में ओडिशा शीर्ष पर है। राज्य 67.8 के स्कोर के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद छत्तीसगढ़ और गोवा का स्थान है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, उपलब्धि प्राप्त करने वाले राज्यों ने मजबूत राजकोषीय स्वास्थ्य, राजस्व जुटाने, व्यय प्रबंधन और ऋण स्थिरता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हालांकि, पटनायक ने इस रिपोर्ट को लेकर खुशी जाहिर की है क्योंकि राज्य की यह उपलब्धि ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान की है।

ओडिशा व्यापार सम्मेलन में 20 देशों के 7,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे: मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि 28-29 जनवरी को राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले व्यापार सम्मेलन में 20 देशों के 7,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 जनवरी को सम्मेलन स्थल जनता मैदान में इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

माझी ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का जायजा लेने के बाद कहा कि राज्य 'सबसे बड़े' व्यापार सम्मेलन 'उत्कर्ष ओडिशा - मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025' की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, यह सम्मेलन ऐतिहासिक साबित होगा और यह न केवल एक मजबूत और जीवंत अर्थव्यवस्था की नींव रखेगा, बल्कि किसानों और मजदूरों के लिए व्यापक अवसर भी पैदा करेगा। माझी ने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान 100 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे 3.5 लाख लोगों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया सहित विभिन्न देशों से लगभग 100 प्रतिनिधि आएंगे। माझी ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न संवादात्मक सत्र भी शामिल होंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक क्षेत्र में ओडिशा की छवि मजबूत होगी।

इस दौरान स्टार्टअप ओडिशा, ओडिशा में कौशल और महिला उद्यमिता पर विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, साथ ही विभिन्न गोलमेज बैठकें भी होंगी। माझी ने कहा कि सम्मेलन के दौरान 'मेक इन ओडिशा एक्सपो' भी आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन आम जनता के लिए 30 जनवरी को खुलेगा। सम्मेलन में करीब 150 प्रदर्शक अपने उत्पाद, सेवाएं और नवाचार प्रदर्शित करेंगे। राज्य के संस्कृति विभाग ने प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना पद्मश्री अरुणा मोहंती के प्रदर्शन और ड्रोन शो की भी व्यवस्था की है।

राजनीतिक दल फर्जी विमर्शों और विभाजनकारी चुनाव अभियान से बचें : कुमार

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शनिवार को राजनीतिक दलों से विभाजनकारी चुनाव अभियान से बचने का अनुरोध करते हुए कहा कि इससे चुनावी प्रक्रिया के प्रति युवाओं का मोहभंग हो सकता है। कुमार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में यहां 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि फर्जी विमर्शों से भी बचना चाहिए। साथ ही, उन्होंने राजनीतिक दलों को आश्वासन दिया कि निर्वाचन आयोग (ईसी) चुनावी प्रक्रिया पर उनके द्वारा उठाई गई चिंताओं और प्रणाली में सुधार के लिए दिए गए सुझावों का लिखित रूप में जवाब देगा। कुमार ने दुनिया भर में गलत सूचना और फर्जी विमर्शों की 'खतरनाक प्रवृत्ति' को भी चिह्नित किया और कहा कि ये लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

भाजपा सिर्फ एक ट्रिलियन झूठ का रिकॉर्ड बना सकती है : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के इस दावे को झूठ करार दिया कि राज्य की अर्थव्यवस्था अगले चार वर्ष में एक ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को हासिल कर लेगी।

यादव ने पोस्ट में भाजपा के आर्थिक वादों के लिए उसपर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा सिर्फ एक ट्रिलियन झूठ का रिकॉर्ड बना सकती है और कुछ नहीं। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की तरफ से फिर से ये जुमला उछाला जा रहा है कि अगले चार वर्ष में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी। यादव ने कहा, आज की विकास दर के हिसाब से ये असंभव है, इसीलिए ये एक 'महाझूठ' है। सरकार के खजाने में भ्रष्टाचार की सेंध लगी है। निवेश जमीन पर नहीं उतरा है। किसान व्यापारी और उद्योगपति सब काम को लेकर त्रस्त हैं। बेरोजगारी-बेकारी प्रदेश में गरीबी के नए अध्याय लिख रही है। लोगों के हाथ में पैसा नहीं है तो क्रय शक्ति कहां से आएगी। श्रमिक-मजदूर पलायन कर रहे हैं तो श्रम संसाधन कहां से आयेगा। जनता कह रही है कि हमें तो यह बताएं कि महंगाई कितनी कम होगी। हमारी आमदनी कितनी बढ़ेगी। युवाओं को नौकरी कैसे मिलेगी। दवाई-पढ़ाई के खर्चे कैसे कम होंगे। दुकानदारी-कारोबार कैसे बंद होने से बचेगा।''

गणतंत्र दिवस समारोहों की तैयारियों के बीच भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

गुवाहाटी/भाषा। देश के 76वें गणतंत्र दिवस से जुड़े समारोहों के लिए असम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोनितपुर जिले में वनक्षेत्र में भारी मात्रा में दबा हुआ विस्फोटक बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान एक पॉलीथीन बैग में पांच ग्रेनेड और तीन डेटोनेटर समेत विस्फोटक मिले।

सोनितपुर पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पच्चीस जनवरी 2025 को ढेकियाजुली थानांतर्गत बताशीपुर के ख्वाबरा गांव के पास जंगली क्षेत्र में भूमि के नीचे अवैध हथियार और गोला-बारूद दबे होने की गुप्त सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान चलाया गया था। पुलिस ने कहा, एक ग्रेनेड में पिन/लीवर क्षतिग्रस्त था। इसलिए इसे एक सुरक्षित क्षेत्र में रखा गया है। पुलिस के अनुसार विस्फोटकों को नष्ट करने के लिए सेना के बम निरोधक दस्ते से संपर्क किया जा रहा है।

आईसीसी पुरुष टी20 टीम के कप्तान चुने गए रोहित

टीम में बुमराह, पंड्या, अर्शदीप भी शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। पिछले साल जून में भारतीय टीम को दूसरा आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा को 'आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर 2024' का कप्तान चुना गया।

भारतीयों के दबदबे वाली इस टीम में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी शामिल हैं। कप्तान और बल्लेबाज दोनों के तौर पर 2024 रोहित के लिए अविस्मरणीय रहा। इस अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने 11 मैचों में 42.00 के शानदार औसत और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए। रोहित ने तीन अर्धशतक जड़कर भारत के टी20 विश्व कप अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें सुपर आठ चरण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रन की शानदार पारी भी शामिल है।

रोहित के कुशल नेतृत्व ने दबाव भरी स्थितियों में युवा भारतीय टीम का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे उन्होंने भारत के सबसे महान टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तानों में से एक के तौर पर अपनी विरासत को मजबूत किया। पंड्या ने विश्व के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक के रूप में अपना कद मजबूत किया और भारत के सफल अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 17 मैच में 352 रन बनाने के साथ 16 विकेट झटके जिससे आईसीसी पुरुष टी20 आलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे। पंड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए आखिरी ओवर में 16 रन बचाए जिससे भारत की खिताबी जीत सुनिश्चित हुई।

फाइनल में उन्होंने 20 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे दबाव में उनकी काबिलियत दिखी। बुमराह ने 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी करते हुए अपनी सटीक और निरंतर गेंदबाजी से भारतीय आक्रमण की अगुआई की। उन्होंने आठ मैच में 8.26 के शानदार औसत से 15 विकेट लिए। उनकी खतरनाक यॉर्कर और अंतिम ओवरों में गेंदबाजी ने भारत की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे उन्हें आईसीसी के 'पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के लिए नामांकित किया।

अर्शदीप सिंह बने आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शनिवार को आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर चुना गया। उन्होंने भारतीय टीम को इस प्रारूप में विश्व कप ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

इस पुरस्कार से छोटे प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के तौर पर उनका कद मजबूत हुआ। अर्शदीप (25 साल) ने पिछले साल 18 मैच में 36 विकेट लिए थे। उन्हें रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के साथ आईसीसी की 2024 की सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी चुना गया। अमेरिका में हुए टी20 विश्व कप में अर्शदीप ने पावरप्ले और अंतिम ओवरों की गेंदबाजी अपनी महारत दिखाई।

टूर्नामेंट के अंत में वह अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने आठ मैचों में 12.64 की औसत से 17 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन से भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की नाटकीय जीत दर्ज की जिसमें उन्होंने 20 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने दक्षिण अफ्रीक के कप्तान एडेन माक्ररम को जल्दी आउट किया और फिर क्विंटन डी कॉक को आउट करके बड़ी साझेदारी बनने से रोका।

अर्शदीप ने अंतिम ओवर में गेंदबाजी करते हुए सिर्फ चार रन दिए जिससे हार्दिक पंड्या के लिए काम आसान हो गया। अर्शदीप 2024 में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने 18 मैचों में 15.31 के औसत से 36 विकेट झटके।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

ज़िन्दगी बदलने के लिए लड़ना पड़ता हैं, और आसान करने के लिए समझना पड़ता हैं।

ट्वीट

सजग नागरिक – सशक्त भारत!! आप सभी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। मतदान हमारा कर्तव्य है, अधिकार है और 'राष्ट्रधर्म' का पालन भी है।आइए, इस सुअवसर पर शत–प्रतिशत मतदान के प्रति जन–जागरण हेतु संकल्पित हों।

-मदन दिलावर

बेटियां जहां सम्मान पाती हैं, वहां प्रकृति मुस्कराती है। पिपलांत्री गांव की प्रेरणादायक कहानी यही सिखाती हैहर बेटी के जन्म के साथ धरती को जीवन का उपहार देना। राजस्थान ने न केवल बेटियों के अधिकारों की रक्षा की है, बल्कि पर्यावरण को भी संजीवनी दी है।

- भजनलाल शर्मा

कहानी

मुंशी प्रेमचंद

अपनी करनी

ओह हो! मेरे ही कर्मों की वजह से आज मैं इतना अभागा महसूस कर रहा हूं। मेरे ऊपर आज अपमान भी हंसता होगा, क्योंकि मैंने खुद अपने हाथों से सब कुछ उजाड़ दिया। एक साल पहले मैं इतना किस्मत वाला था, क्या ही कहूं। आराम की जीवन, अच्छी सेहत, पत्नी और दो प्यारे बच्चे, ऊंचा घराना उसपर पढ़ा–लिखा होने के बाद भी मैंने खुद ही ऐसी हालत कर ली है। एक इंसान को जो कुछ भी एक अच्छी जिंदगी जीने के लिए चाहिए, वो सब मेरे पास था। मैं अब किसी योग्य नहीं, क्योंकि मैंने किसी चीज की कदर ही नहीं की। मेरे जीवन में ऐसी महिला थी, जिसने मुझमें लाख बुराई होने के बाद भी कुछ बुरा नहीं कहा। कभी गुस्सा नहीं किया। मैं ऐसा हूं कि दीवानगी के नशे में चूर होकर उसे इज्जत नहीं की। उसे तड़पाया, रुलाया और मन–ही–मन खूब जलाया भी। उफ्फ! उसे कितना धोखा दिया और अंधेरे में रखा। देर रात घर आते हुए न जाने कितने बहाने बनाए। रोज नई कहानी बना लेता था। क्या वो मेरे झूठे प्यार के दिखावे को नहीं समझी होगी? मेरा झूठ–फरेब क्या छिपा रह सकता था? भले ही वो अच्छी और भोली थी, लेकिन बेवकूफ नहीं।

मैं जितना झूठा था, वो उतनी सच्ची। मैं जितना गलत व्यवहार करता, वो उतना अच्छा करती। उसे दुनिया के सामने हमारे रिश्ते का मजाक उड़ाना पसंद नहीं था, इसलिए वो मेरे व्यवहार का जिक्र लोगों के सामने कभी नहीं करती थी। शायद उसे हमेशा लगता था कि मैं एक दिन सुधर जाऊंगा और मेरे सिर से ये नशा उतर जाएगा। काश! वो इतनी अच्छी न होती। वो अपने हक के लिए मुझसे लड़ती। इसी बीच एक दिन मैं आनंद वाटिका मछलियों का करतब देखने गया। वहां मेरी नजर अचानक एक लड़की पर गई, जो फूल तोड़ रही थी। उसके कपड़े मेले थे और वो छोटी उम्र की लड़की थी, जिस वजह वो ताजगी भरी लग रही थी। इसके अलावा, उस लड़की में ऐसी कोई खास बात नहीं थी। कुछ ही देर में उस लड़की ने मेरी तरफ देखा और इस तरह से नजरें फेरी जैसे मैं वहां मौजूद ही नहीं। ऐसा मेरे साथ पहले कभी नहीं हुआ था। मैं इससे परेशान होकर धीरे–धीरे उन फूलों की झाड़ियों के पास पहुंच गया और खुद भी फूल चुनने लगा। मुझे देखते ही माली की वो बेटी बाग के दूसरी दिशा में जाकर फूल चुनने लगी।

उसी दिन से मैं रोज उस आनंद वाटिका में जाने लगा। ऐसा नहीं था कि मुझे उस लड़की से प्यार हो गया था। बस कुछ पाने का मोह मुझे वहां खींचकर ले जाता था। मैं रोज रूप बदलकर वहां जाता, लेकिन हाथ कुछ नहीं लगता। प्यार की बातें होना तो दूर की बात थी, वो मेरी तरफ देखती भी नहीं थी। इस योजना से जब काम नहीं चला, तो मैंने नई तरकीब सोची। अगले दिन मैं अपने बुलडॉग टॉमी के साथ आनंद वाटिका गया। जैसे ही वो लड़की अपने आंचल में फूल भरकर बाग से जाने लगी, मैंने अपने टॉमी को उसकी तरफ जाने का इशारा कर दिया। वो बुलडॉग भौंकते हुए तेजी से उस लड़की की ओर दौड़ा। वो अपने पीछे कुत्ता देखकर चीखते हुए तेजी से भागी और कुछ ही दूरी पर गिर गई। मैं भी फटाफट छड़ी लेकर वहां गया और अपने टॉमी को एक दो मार लगा दी। उसके बाद फूलमती के आंचल से जमीन पर गिरे फूलों को समेटकर उसे हाथों से पकड़ कर बैठा दिया। फिर उससे दुखी होकर पूछा कि तुम्हें लगी तो नहीं? यह बुलडॉग बदमाश हो गया है। इसने काटा तो नहीं?

उस लड़की ने दुपट्टे से मुंह को ढकते हुए कहा कि तुमने समय पर आकर बचा लिया, वरना ये मार ही डालता। अपनी तारीफ उससे सुनकर मन को अच्छा लगा और दिल जोर से धड़का। मेरे मन में हुआ कि यह तरीका काम कर गया है। उस दिन से उस फूलमती से मेरी बातें होनी शुरू हुई। उसके बाद मैंने जाल फलाया, बातें रची और न जाने क्या–क्या किया। इन सब तरकीबों के बारे में दिल फेक किस्म के सारे लोग जानते हैं।

ऐसा नहीं था कि मैं उस लड़की के सौंदर्य से प्रभावित था, क्योंकि मेरी पत्नी इंदु से सुंदर कोई हो ही नहीं सकती थी। फिर भी न जाने क्यों मैं उस फूलमती की धसी हुई आंखों और गालों पर फिदा हो रहा था। होते–होते मैं खुद मोहब्बत के जाल में फंस गया। घर–बार मुझे कुछ भी अच्छा नहीं लगता था, लेकिन मेरे इस प्रेम के बारे में किसी को खबर न हो, इसलिए मैं घर में इंदु से काफी प्यार से बातें करता था। इस नाटक का एक ही कारण था कि मैं अपनी हरकत को इसके पीछे छिपा सकूं। वक्त के साथ मैंने ये नाटक बंद कर दिया और घर व पत्नी की जरूरतों से मुंह मोड़ लिया। सच कहूं तो पत्नी से कुछ भी कहते हुए डर लगता था कि कहीं उसके मन की बात जुबान पर न आ जाए। यूं तो मैं कभी भी जौहरी की दुकान गया नहीं था, लेकिन अब मेरा वहां आना–जाना भी होने लगा। मेरा वक्त पैसा सब कुछ सिर्फ फूलमती का ही था।

एक दिन मैं हमेशा की तरह शाम के समय आनंद वाटिका में घूम रहा था। तभी मैंने फूलमती को देखा, वो मेरे दिए हुए गहने और रेशम की साड़ी पहन कर फूल तोड़ रही थी। उसी वक्त राजा भी कुछ दोस्तों के साथ वहां पहुंच गए। फूलमती राजा को पहचानती थी, इसलिए तेजी से झाड़ी की तरफ छिप गई। उस वक्त महाराज को जाना तो था पानी के कुंड के पास, लेकिन वो बाग की तरफ ही चले गए। वहां उन्होंने झाड़ी के पीछे फूलमती को छिपते हुए देखकर गुस्से में पूछा, तुम कौन हो और यहां क्या कर रही हो? उस समय आनंद वाटिका का सारे लोग मेरी तरफ ही देखने लगे। मुझे भी लगा कि झट से जवाब दे देना चहिए, नहीं तो पता नहीं क्या हो जाए। मैंने कहा, महाराज, ये यहां के माली की बेटी है। यह सुनते ही राजा और बिगड़ गए। उन्होंने पूछा, ये माली की बेटी है? इसके कपड़े गहने इन सबको देखकर कहां से लग रहा है कि ये माली की बेटी है।

तभी माली भी वहां पहुंच गया और उसने जवाब में कहा, साहब! यह मेरी ही बेटी है। राजा ने गुस्से में पूछा, तुम्हारी तनख्वाह कितनी होगी? माली ने बताया, पांच रुपये। फिर राजा ने पूछा, क्या यह शादीशुदा है? माली जवाब में बोला, नहीं। यह सुनते ही महाराज ने नाराज होते हुए कहा, इसका मतलब तू चोरी करके इसे ये गहने और रेशम की साड़ी देता है। अभी मैं तेरी शिकायत पुलिस में करता हूं। कमाता है पांच रुपये और बेटी को गहनों से लदा रखा है। महाराज के पैर पर गिरकर माली बोलने लगा, साहब! मेरी वफादारी पर सवाल मत उठाइए। ये इस लड़की की ही हरकत है। आजकल ये बड़े लोगों के साथ उठने बैठने लगी है। इसने मेरी नाक कटा दी है। वहां से ही इसे ये सबकुछ मिला है। आप जानते ही हैं अमीर लोग कैसे होते हैं।

इतना सब सुनते ही महाराज ने जोर देते हुए पूछा, क्या इसका संबंध किसी सरकारी नौकर के साथ है? माली ने जवाब में हां कहा। फिर महाराज बोले, जब भी मैं तुमसे उसका नाम पूछूंगा तुम्हें बताना होगा। वो सिर झुकाते हुए कहने लगा, बिल्कुल महाराज! सच को किसी बात का भय नहीं होता है। आप जब भी पूछेंगे मैं नाम जरूर बताऊंगा उस समय मेरा शरीर पूरा ठंडा पड़ गया। मन में हुआ कि आज ही राजा के सामने मेरा राज खुल जाएगा और बदनामी होनी पक्की है। लेकिन, महाराज ने अपने दरबार के कार्यकर्ता की इज्जत को यूं सरेआम उछालना ठीक नहीं जाना और नाम बाद में पूछने की बात कहते हुए अपनी गाड़ी में बैठकर महल चले गए। तभी मैं अपने घर पहुंचा, तो वहां एक बूढ़ी औरत दिखाई दी। वो बिल्कुल पूछताछ करने वाली जासूस महिला लग रही थी, जो चेहरे पर नकली भोलापन लेकर चलती है। मैंने अंदर जाते ही पत्नी से पूछा, कौन थी वो? उसने बताया कि एक भिखारन थी। मेरे मन में हुआ कि वो ऐसी तो लग नहीं रही थी।

मैंने गुस्से में कहा, वो भीख मांगने आई थी, ऐसा तो बिल्कुल नहीं लग रहा था। मेरी पत्नी ने मुझपर तंज कसते हुए कहा, आजकल अंदर से कौन कैसा होता है किसी को पता थोड़ी चलता है।

वो भीख मांगने के लिए आई थी मैंने दे दी। वो कैसी है, कैसी नहीं, इसकी जांच नहीं की मैंने। तब मैं नाराज होकर पत्नी का हाथ पकड़ते हुए बोला, देखो, जो भी है सच–सच मुझे बता दो। मैं तुमपर बहुत भरोसा करता हूं और मुझे अपनी इज्जत किसी भी चीज से ज्यादा प्यारी है। तुम्हारे बात करने के तरीके से ही मैं समझ रहा हूं कि जरूर कुछ गड़बड़ है। तभी वो रोते हुए बोली, तुम मुझपर शक मत करो। मैं उस महिला की बात में आ गई थी और घर का पूरा हाल बता दिया।

मेरा गुस्सा कम हुआ और मैंने इंदुमती से पूछा, आखिर क्या हाल बता दिया तुमने उसे? उधर से जवाब आया, सबकुछ तुम्हारे घर से यूं मुंह मोड़ना, लापरवाही, बेवफाई, किसी चीज की फिक्र न करना। मैंने सब उसे बता दिया। तुम्हें अंदाजा भी है कि घर चलाने के लिए मेरे सारे गहने बिक गए हैं। तुमने तीन महीने से घर खर्च के लिए एक रुपये भी नहीं दिए हैं। इन सबसे मेरा मन दुखी था और जब उसने प्यार से पूछा, तो मैंने भी सारा हाल कह दिया। लेकिन, आज एक बात साफ हो गई कि तुम्हें मुझपर भरोसा नहीं है। वरना इस तरह से बात नहीं करते। यह सब जानते ही मैंने अपने दोनों हाथों से अपना सिर पकड़ लिया। उधर महाराज को फूलमती और मेरे बारे में सबकुछ पता चलने ही वाला है और इधर घर का सारा भेद एक औरत लेकर चली गई है। किसी तरह रात गुजरी और मैं सुबह दफ्तर पहुंच गया। वहां पहुंचते ही मुझे महाराज का बुलावा आया।

मेरे दिमाग में यह बात चल रही थी कि पक्का वो बुढ़िया महाराज की ही भेजी हुई गुप्तचर होगी। उसने सारी रिपोर्ट यहां दे दी होगी। यह सोचते हुए मैं महाराज के पाच पहुंचा। वो पूजा के कमरे में थे और उनके चारों तरफ कागज–ही–कागज बिखरे नजर आ रहे थे। उन्होंने मुझे देखते ही नाराज अंदाज में कहा, कुंवर श्याम सिंह मुझे जो कुछ भी पता चला है, उसके बाद तुम्हारे साथ सख्ती से पेश आना होगा। उन्होंने आगे कहा कि तुम यहां के पुराने वसीकेदार हो। यह वसीका यानी पेंशन तुम्हारी कई पीढ़ियों द्वारा अपनी जान लगाकर की गई सेवाओं का नतीजा है, लेकिन तुमने अपनी हरकत से उनका नाम भी खराब कर दिया।

महाराज ने आगे कहा कि तुम्हें वसीका अपने परिवार पर खर्च करने के लिए मिलता था। तुमने इस वसीके का गलत फायदा उठाया। माली की बेटी पर सबकुछ लुटा दिया। अब मैंने उस वसीके के दस्तावेज से तुम्हारा नाम हटाकर तुम्हारी पत्नी का नाम डाल दिया है, ताकि वो तुम्हारे बच्चों को पढ़ा–लिखाकर इस काबिल बना सके कि तुम्हारी पीढ़ियों की तरह वो महल की सेवा करें। तुम्हारी जैसी हरकत से तो पीढ़ियों का नाम खराब तो होगा ही और वसीकदारों का नाम भी नहीं बचेगा। तुम्हारी पत्नी ही वसीका पाने के काबिल है और तुमको अब मालियों की सूची में डाल दिया गया है। तुम इसी के लायक हो। अब यहां से जाओ और अपनी करनी पर पछताओ। इसके अलावा, तुम्हारे पास करने के लिए कुछ है भी नहीं। मेरी गलती थी ही, इसलिए मुझे कुछ भी कहने की हिम्मत नहीं हुई। सबकुछ सुनने के बाद मैं घर लौटने लगा। फिर मन से आवाज, आई कौन सा घर? अब तुम्हारा कुछ भी नहीं रहा। धीरे–धीरे ये बात पूरे नगर में फैल जाएगी और लोग तरह–तरह की बातें करेंगे। कुछ झूठी हमदर्दी दिखाएंगे, तो कुछ मजाक उड़ाएंगे। फिर मन हुआ कि एक बार फूलमती से मिल लूं, लेकिन लगा कि अब न वो रौब है और न ही रुतबा कैसे उससे मिलूंगा। उसने कहीं भावनाओं में बहकर मेरे साथ चलने की बात कह दी, तो क्या करूंगा? अकेला तो जैसे भी गुजारा हो जाएगा, लेकिन उसके साथ चीजें मुश्किल होंगी। मन से भी आवाज आई उसी की वजह से सबकुछ बर्बाद हो गया है। इतना सोचकर मैं बंबई की ओर निकल गया।

अब बंबई की ही एक मील में नौकरी करते हुए दो साल बीत गए हैं। पैसे के नाम पर बस इतना ही मिलता था कि किसी तरह कुछ खा–पी लूं। एक बार मैं चुपचाप से अपने घर गया। वहां देखा कि मेरे बच्चे घर के बाहर अच्छे से खेल रहे थे। मेरी पत्नी ने पूरे घर को अच्छे से संभाल रखा था। घर के बाहर दो लालटेन जल रहे थे। सब कुछ बहुत साफ था। तभी मुझे पता चला कि दो–चार महीने मेरी खोज करने के लिए अखबार में कुछ इश्तहार भी छपे थे, लेकिन इस मुंह को लेकर मैं कहां जाता। मैंने फूलमती को भी देखा। पता चला कि वो किसी नए रईस के साथ थी। अपने जिंदगी पर अफसोस करते हुए मन में हुआ कि अब इसी हालत में जीवन जीना होगा। अब चाहे हंसकर जिंदगी जी लूं या रोकर। अपने पास मौजूद किसी चीज की मैंने कदर नहीं की और खुद अपनी हंसी–खुशी को पैरों से ठोकर मारकर अब पछता रहा हूं। मैं वो इंसान हूं, जिसने अपने सब कुछ को खुद से ही जला दिया और अब उसकी राख भी नहीं बची।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

संतत्व

फूटी आँख विवेक की, लखे ना संत असंत।
जाके संग दस–बीस हैं, ताको नाम महन्त ।।

महंत होना सरल है, संत होना कठिन। संत यात्रा करता है, संत यात्रा करवाता भी है। यात्रा में भटका ऐसा ही एक पथिक कबीरदास जी के पास पहुँचा। वह अपने गृहस्थ जीवन में रोज़ाना होने वाले कलह और तर्क–वितर्क से बहुत दुखी था। अपना दुखड़ा बयान करता हुआ कबीरदास जी से बोला, महाराज मेरा गृहस्थ जीवन बहुत दुखी है। हम पति–पत्नी में ज़रा भी नहीं पटती। रोज़ झगड़ा, रोज़ कलह। वह भी दुखी, मैं भी दुखी। तंग आ गया हूं इस जीने से। जीवन में अंधेरा ही अंधेरा है। कबीर उस समय सूत बुन रहे थे। पथिक की बात सुनी–अनसुनी कर अपनी पत्नी लोई से बोले,इतना अंधेरा है कि सूत बुनने में दिक्कत हो रही है। तनिक दीया तो बाल लाओ। लोई एक दीप प्रज्वलित करके ले आई। पति के पास रखकर चली गई। कबीर के इस व्यवहार से प्रश्नकर्ता किंकर्तव्यविमूढ़–सा हो गया। वह भरी दोपहर का समय था। सूर्य सिर पर था और प्रकाश प्रखर था। आशंका व्यक्त करते हुए कबीरदास जी से बोला, महाराज, सूरज तप रहा है। दोपहर का समय है। इतना तेज़ प्रकाश है और आपको सूत कातने के लिए दीया मंगवाना पड़ा। क्या आपकी आँखें खराब हो गई हैं? कबीर मुस्करा कर बोले, यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर भी है। अपनी आँखों को ठीक करो। गृहस्थ जीवन में विश्वास करना सीखो। अपने साथी के विचार का, उसकी सोच का, उसके निर्णय का सम्मान करो। व्यर्थ के तर्क–वितर्क एक दूसरे का मान समाप्त करते हैं। तुमने देखा कि दिन के प्रकाश में मैंने लोई से दीया मंगवाया। बिना कोई प्रश्न किए वह दीया रख गई। उसका विश्वास है कि मैंने दीया मंगवाया है तो कुछ सोच कर ही मंगवाया होगा। ...तुम अपनी पत्नी को अपने जैसा कर देना चाहते हो। खाना–पीना तुम्हारे जैसा, बोलना–चालना तुम्हारे जैसा, सोचना–विचारना तुम्हारे जैसा। तुम्हारी आँखें खराब हो गई हैं। तुम जानते हो पर देखते नहीं कि धरती पर कोई भी दो लोग एक जैसे नहीं हो सकते।

....और सुनो, यह दीया मैंने अपने लिए नहीं तुम्हारे लिए मंगवाया था। जैसे इसकी ज्योति जल रही है अपने भीतर भी ज्योति जलाओ। अग्नि पवित्र होती है। भीतर एक बार ज्योति जल गई तो जीवन में प्रकाश ही प्रकाश होगा।

सच्चा संत खुद जलता है, खुद तपता है आत्मदीप बनता है। वह पोथी का ज्ञान नहीं जताता, अनुभव से मिला ज्ञान बताता है। संतत्व में 'काग़ज़ की लेखी' नहीं बल्कि 'आँखन की देखी' महत्वपूर्ण है।

बोध कथा

मूर्ख लोगों की सूची

एक वक्त की बात है, बादशाह अकबर अपने दरबारियों के साथ दरबार में मौजूद थे। तभी उनके मन में एक बात आती है। बादशाह बोलते हैं कि मेरे आसपास हमेशा बुद्धिमान लोग रहते हैं और मैं उनके बीच रहकर बोर हो गया हूं। मैंने फैसला किया है कि मुझे कुछ मूर्ख व्यक्तियों से मिलना चाहिए। अकबर, बीरबल से कहते हैं, 'तुमने हमेशा हमारी मदद अपने ज्ञान और चतुराई से की है। हम चाहते हैं कि इस बार भी तुम ऐसा ही कुछ करो और हमारे लिए 6 मूर्ख व्यक्ति ढूंढ कर लेकर आओ।'

बीरबल : जी जहांपनाह, मैं आपके लिए 6 मुर्ख व्यक्ति जरूर ढूंढकर लाऊंगा।

अकबर : हम आपको 6 मूर्ख व्यक्ति ढूंढने के लिए 30 दिन का समय देते हैं।

बीरबल : जहांपनाह, मुझे इतने अधिक समय की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

अकबर : ठीक है, अगर तुम उससे पहले ही मूर्ख व्यक्ति ले आ सकते हो, तो यह अच्छी बात है। इसके बाद बीरबल मूर्ख व्यक्तियों की तलाश में निकल पड़ता है। बीरबल रास्ते में पूरा समय इसी सोच में था कि उसे वो मूर्ख लोग कहां मिलेंगे। तभी उसे गधे पर बैठा एक आदमी दिखाई देता है, जो सिर पर घास की गठरी रखे हुए था। बीरबल ने तुरंत घोड़ा रोका और उससे उसकी पहचान पूछने लगा।

बीरबल : कौन हो तुम और ऐसे गधे पर बैठकर और घास अपने सिर पर लेकर क्यों जा रहे हो?

व्यक्ति : मैं रामू हूं और मेरा गधा कमजोर व थका हुआ है, इसलिए गधे का बोझ कम करने के लिए मैंने घास की गठरी अपने सिर पर रखी है। यह सुनकर बीरबल सोचता है कि मुझे पहला मूर्ख व्यक्ति मिल गया। फिर बीरबल उससे कहता है कि तुम जानवरों के बारे में इतना सोचते हो, इसलिए मैं तुम्हें बादशाह अकबर से इनाम दिलवाऊंगा। यह कहकर बीरबल उस व्यक्ति को अपने साथ चलने के लिए कहता है। इनाम की बात सुनकर रामू बीरबल के साथ हो लेता है। बीरबल और रामू कुछ दूर चले ही थे कि बीरबल को दो व्यक्ति आपस में लड़ाई करते हुए दिखाई दिए। बीरबल उन दोनों व्यक्तियों को लड़ने से रोकता है और उनसे पूछता है कि तुम दोनों कौन हो और किस बात के लिए लड़ रहे हो?

पहला व्यक्ति : जनाब मेरा नाम चंगु है। दूसरा व्यक्ति : और मेरा मंगू है। मंगू : जनाब, मुझे चंगु कहता है कि इसके पास शेर है, जिसे वो मेरी गाय के शिकार के लिए छोड़ेगा। चंगु : हां मैं ऐसा ही करूंगा और मुझे बहुत मजा भी आने वाला है। बीरबल : कहां है तुम लोगों की गाय और शेर? मंगू : जनाब जब भगवान हमें वरदान देने आएंगे, तो मैं उनसे गाय मांगूंगा और चंगु शेर मांगेगा, जिसे यह मेरी गाय पर छोड़ने की बात कर रहा है।

बीरबल: अच्छा यह बात है। उनकी बातें सुनकर बीरबल समझ गया कि उन्हें दो और मूर्ख व्यक्ति मिल गए हैं। बीरबल इनाम की बात कहकर उन्हें भी अपने साथ ले लेता है। उन तीनों को लेकर बीरबल अपने घर पहुंचता है और फिर सोचने लगता है कि बाकी के मूर्ख व्यक्ति कहा से ढूंढकर लाऊं। बीरबल उन तीनों मूर्खों को अपने घर में ही रहने के लिए कहकर बाहर चला जाता है। जब बीरबल और मूर्ख लोगों को ढूंढने के लिए बाहर आता है, तो उसे एक व्यक्ति दिखाई देता है, जो कुछ ढूंढता रहता है। बीरबल उसके पास जाकर पूछता है कि आप क्या ढूंढ रहे हैं? व्यक्ति : जनाब मेरी अंगूठी कहीं गिर गई है, जिसे मैं काफी समय से खोज रहा हूं, लेकिन मुझे नहीं मिल रही है। बीरबल : क्या आपको पता है कि अंगूठी कहां गिरी थी? व्यक्ति : दरअसल, मेरी अंगूठी यहां से दूर उस पेड़ के पास गिरी थी, लेकिन वहां अंधेरा होने के कारण मैं यहां उसे ढूंढ रहा हूं। बीरबल : अच्छा यह बात है। आप कल हमारे साथ बादशाह के दरबार में चलो। मैं बादशाह अकबर से आपको दूसरी अंगूठी देने के लिए कहूंगा।

व्यक्ति : अच्छा ठीक है फिर (खुश होकर)। अगले दिन सुबह बीरबल दरबार में उन चारों मूर्खों को लेकर पहुंचता है। बीरबल : बादशाह अकबर मैं आपके कहे अनुसार मूर्ख व्यक्तियों को ढूंढ कर ले आया हूं। अकबर : बीरबल तुमने तो एक ही दिन में मूर्ख व्यक्ति ढूंढ लिए, क्या हमारे राज्य में मूर्खों की संख्या अधिक है और तुम यकीन के साथ कैसे कह सकते हो कि ये व्यक्ति मूर्ख हैं? बीरबल ने बादशाह से सारी बातें बताई। फिर अकबर कहते हैं कि ये तो केवल चार ही लोग हैं, बाकी के दो मूर्ख कहां हैं? बीरबल : जहांपनाह यहां पर 6 मूर्ख व्यक्ति हैं? अकबर : यहां कहां हैं और कौन हैं, हमें भी बताओ। बीरबल : जहांपनाह, एक तो मैं स्वयं हूं। अकबर : तुम मूर्ख कैसे हुए? बीरबल : मैं इसलिए मूर्ख हूं, क्योंकि मैं इन मूर्खों को खोजकर लाया।

अकबर : फिर अकबर हंसने लगता है और कहता है कि मैं समझ गया कि दूसरा मूर्ख कौन है। पर मैं तुमसे सुनना चाहता हूं। बीरबल: दूसरे आप हैं जहांपनाह, जो आपने मुझे मूर्ख व्यक्तियों को लाने के लिए कहा। बीरबल की बातें सुनकर अकबर उसकी प्रशंसा करने लगते हैं और कहते हैं कि बीरबल के पास हर सवाल का जवाब होता है।

वीर गाथा

एडमिरल लक्ष्मीनारायण रामदास : जलमार्ग अवरुद्ध कर टिकवाए पाकिस्तान के घुटने, ढाका में गूंजा 'जय भारत'

एडमिरल लक्ष्मीनारायण रामदास का जन्म 5 सितंबर, 1933 को मुंबई में रहने वाले एक तमिल ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्होंने साल 1971 के भारत–पाक युद्ध में पूर्वी पाकिस्तान की नौसैनिक नाकाबंदी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके कारण पाकिस्तान के 93,000 फौजियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा था। यह भारत की बहुत बड़ी जीत थी। लक्ष्मीनारायण साल 1990 से 1993 तक 13वें नौसेना प्रमुख भी रहे थे।

लक्ष्मीनारायण रामदास ने स्कूली पढ़ाई दिल्ली से पूरी की थी। वे साल 1949 में देहरादून में संयुक्त सेवा विंग (जेएसडब्ल्यू) के पहले कोर्स में शामिल हुए थे। उन्हें सितंबर 1953 में भारतीय नौसेना में कमीशन मिला था। इसके बाद उन्हें संचार विशेषज्ञ का प्रशिक्षण लेने के लिए रॉयल नेवल कॉलेज भेजा गया था।

लक्ष्मीनारायण को अगस्त 1963 में पदोन्नति देकर लेफ्टिनेंट कमांडर बनाया गया। वे जून 1969 में पदोन्नति पाकर कमांडर बने थे। उन्हें नौसेना अकादमी का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया था।

साल 1971 में जब पाकिस्तान के साथ युद्ध छिड़ गया तो इस पड़ोसी देश की फौज को मिलने वाली सहायता रोकने के लिए जलमार्ग को अवरुद्ध करना जरूरी था। तब नवगठित पूर्वी बेड़े के भाग के रूप में, आईएनएस ब्यास की कमान संभालते हुए कमांडर लक्ष्मीनारायण ने जलमार्ग में प्रभावी नाकाबंदी की थी।

कमांडर लक्ष्मीनारायण रामदास के जहाज को पाकिस्तान की बारूदी सुरंगों और पनडुब्बियों के कारण लगातार खतरा बना हुआ था। उन्होंने साथी नौसैनिकों के साथ दुश्मन के बंदरगाहों पर धावा बोला और उसे भारी नुकसान पहुंचाया था। एक बार पाकिस्तानी पनडुब्बी उनके जहाज के काफी नजदीक आ गई थी। उन्होंने उस पर हमला किया, जो आखिरकार तबाह हो गई। पूरे युद्ध में कमांडर लक्ष्मीनारायण रामदास ने उच्च कोटि की वीरता, नेतृत्व और कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचय दिया। इसके लिए उन्हें 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया।

लक्ष्मीनारायण रामदास ने सेवानिवृत्ति के बाद विभिन्न मानवीय कार्यों में योगदान दिया। उन्हें साल 2004 में शांति के लिए रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनका स्वर्गवास 15 मार्च, 2024 को हो गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

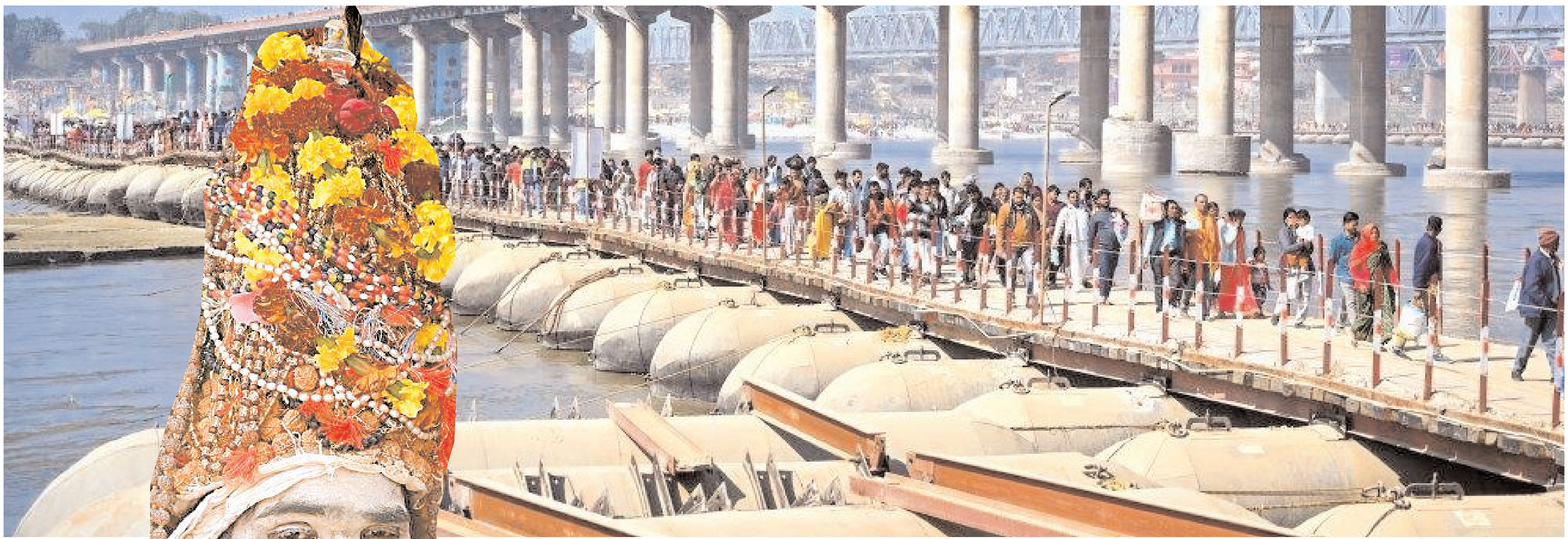

सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष, इसकी तुलना किसी झाड़ और झंखाड़ से नहीं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को महाकुंभ मेले को एकता का संदेश देने वाला तथा देश और दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन बताते हुए कहा कि सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष की तरह है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष है और इसकी तुलना किसी झाड़ और झंखाड़ से नहीं होनी चाहिए। एक बयान के मुताबिक प्रयागराज दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने शनिवार को अखिल भारतीय अवधूत भेष बारह पंथ-योगी महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। योगी ने कहा, ''दुनिया के अंदर अन्य संप्रदाय हो सकते हैं, उपासना विधि हो सकती है, लेकिन धर्म तो एक ही है और वह है सनातन धर्म। यही मानव धर्म है। भारत में जितनी भी उपासना विधियां हैं वह अलग पंथ और संप्रदाय से भले ही जुड़ी हों, लेकिन निष्ठा और आस्था सब की सनातन धर्म से जुड़ी हुई है।

सबका उद्देश्य तो एक ही है। इसलिए महाकुंभ के इस पावन आयोजन पर हम सबको पूरी दुनिया से आए लोगों को एक ही संदेश देना है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री जी का कहना है कि महाकुंभ का संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश।'' उन्होंने कहा कि याद रखना, भारत सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित हैं। भारत सुरक्षित है तो हर पंथ, हर संप्रदाय सुरक्षित है और अगर भारत के ऊपर कोई संकट आएगा तो सनातन धर्म पर संकट आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म पर संकट आएगा तो भारत के अंदर कोई भी पंथ और संप्रदाय अपने आप को सुरक्षित महसूस ना करे। वह संकट सबके ऊपर आएगा, इसलिए संकट की नौबत आने ना पाए, इसके लिए एकता का संदेश आवश्यक है। योगी ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि इस महाकुंभ के आयोजन से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के दिन कोटि-कोटि श्रद्धालु मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती की पावन त्रिवेणी के संगम पर डुबकी लगाकर अभिभूत हुए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार कहते हैं की यह सदी भारत की सदी है, भारत की सदी का मतलब हर एक क्षेत्र में भारत को विकास की बुलंदियों को छूना है। लेकिन, प्रत्येक क्षेत्र में देश उन बुलंदियों को तब छू सकेगा जब उस क्षेत्र से जुड़े हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करेंगे। जो राजनीति में हैं वह राजनीति के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, सीमा पर सेना देश की सुरक्षा का काम कर रही है और धार्मिक जगत से जुड़े हुए हमारे पूज्य संत भी अपना दायित्व निभा रहे हैं।

योगी ने कहा,'' आपने देखा होगा कि किस तरह से पवित्र भाव के साथ महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। कोटि-कोटि श्रद्धालु आ रहे हैं। आज यहां पर वर्तमान में दो करोड़ श्रद्धालु मौजूद हैं। सभी सड़कों पर लोगों की भीड़ मौजूद है। यह सिलसिला लगातार चलेगा। पिछले 10 दिनों के अंदर महाकुंभ के पावन त्रिवेणी संगम में 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं और अगले 35 दिन के अंदर यह संख्या 45 करोड़ पहुंचने वाली है। योगी ने चेताया कि आज जितना सकारात्मक माहौल है, उतनी ही चुनौतियां भी हैं। देश की एकता को, समाज की एकता को कहीं भी खंडित नहीं होने देना है। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग हमें बांटना चाहते हैं, भाषा के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं।

उन लोगों के किसी भी षड़यंत्र में हमारे पूज्य संतों को नहीं पड़ना है। कोई ऐसी नकारात्मक टिप्पणी हम लोग अपने स्तर पर ना करें।'' एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न तीर्थ स्थलों से आए श्री महंत, आचार्य और योगेश्वर का सम्मान किया। उन्होंने जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, परमात्मानंद महाराज और निर्मलानंद महाराज को शॉल ओढ़ाकर और गोरखनाथ जी की प्रतिमा भेंट कर उनका स्वागत किया। इनके साथ ही सतुआ बाबा, सुदर्शनाचार्य महाराज, स्वामी धीरेंद्र और स्वामी जितेंद्रनाथ का भी सम्मान किया गया। उन्होंने रामानुजाचार्य, श्रीधराचार्य, शेरनाथ महाराज, उमेशनाथ महाराज, कृष्णनाथ महाराज, समुद्रनाथ महाराज, संख्यनाथ महाराज, रामनाथ महाराज, श्री महंत सोमवरनाथ महाराज और मिथिलेशनाथ महाराज का भी अभिनंदन किया।

कुंभ मेले की झलकियां

योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे पर शनिवार को दक्षिण भारत की श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती जी महाराज से भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि श्रृंगेरी पीठ के पूज्य शंकराचार्य के प्रयागराज पधारने से बहुत आनंद की अनुभूति हो रही है। आपके आगमन से महाकुंभ को पूर्णता मिल रही है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार शंकराचार्य की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दक्षिण रीति से स्वागत किया गया और उन्हें कुंभ के स्वरूप के रूप में नारियल भेंट किया गया। वहीं, मुख्यमंत्री ने भी शंकराचार्य को शॉल ओढ़ाकर और फल भेंटकर उनका अभिनंदन किया। श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती जी महाराज से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, लंबे अंतराल के बाद दक्षिण की श्रृंगेरी पीठ का महाकुंभ के महाआयोजन में आगमन हो रहा है। इससे महाकुंभ की शोभा और अधिक बढ़ गई है।

उन्होंने कहा, यह आनंद का विषय है कि इस महाकुंभ में श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य पांच दिन का प्रवास करेंगे, यह हमारे लिए आशीर्वाद की तरह है। योगी ने कहा, प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन आपका आभारी है। कुंभ जैसे आयोजन को भव्य और दिव्य बनाने में आपकी उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शंकराचार्य को महाकुंभ की व्यवस्था, संतों की भागीदारी और वैश्विक स्तर पर लोगों के आगमन से जुड़ी सभी जानकारियां प्रदान कीं।

बयान में कहा गया कि श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री द्वारा महाकुंभ के विषय में दी गई जानकारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं की प्रशंसा की। अपनी सेवा में जुटे लोगों को भी उन्होंने आशीर्वाद दिया। शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री को दक्षिण पीठ की परंपरा के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 48 वर्ष पहले गुरु के गुरु कुंभ में अमावस्या के समय एक दिन का स्नान करने के लिए यहां आए थे, लेकिन औपचारिक रूप से दक्षिण से कोई शंकराचार्य 150 वर्षों के बाद महाकुंभ में सम्मिलित हो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पांच दिन के प्रवास के अवसर पर वह शास्त्रार्थ के साथ ही अमावस्या पर शंकराचार्यों के साथ त्रिवेणी संगम स्नान में भी सम्मिलित होंगे। उन्होंने अपने प्रवास और इसके बाद कार्यक्रमों के विषय में भी बताया। इस पर मुख्यमंत्री ने शंकराचार्य से काशी प्रवास के अवसर पर शास्त्रार्थ सभा और प्रवचन करने का भी निवेदन किया। जिस पर शंकराचार्य ने भी अपनी सहमित दी। वाराणसी के अन्नपूर्णा मंदिर में कार्यक्रम को लेकर भी शंकराचार्य की ओर से सहमति प्रदान की गई। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेक्टर-19 स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक के आश्रम भी पहुंचे और यहां उन्होंने सद्गुरुदेव बाबा कल्याण दास जी महाराज से शिष्टाचार भेंट की और उनके साथ व्यक्तिगत चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में सरकार के द्वारा की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं के विषय में भी उनसे बातचीत की। करीब 10 मिनट तक चली इस मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री अपने अगले कार्यक्रम की ओर बढ़ गए। मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में कल्याण सेवा आश्रम वर्ष 1977 से जन सेवा, समाज सेवा आध्यात्मिक एवं धार्मिक गतिविधियों को अपना उद्देश्य बनाकर निरंतर कार्य कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संगम में लगाई पवित्र डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को संगम में डुबकी लगाई और महाकुंभ-2025 को भारतीयता और मानवता का महापर्व बताया। मेघवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज प्रयागराज प्रवास के दौरान भारतीयता और मानवता के महा उत्सव 'महाकुंभ-2025' में सम्मिलित होकर मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती के पावन संगम में पुण्य स्नान और ध्यान करते हुए संगम दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि अनादिकाल से अध्यात्म और आस्था के इस अनुपम संगम 'महाकुंभ' ने पूरे विश्व को समानता, समरसता और एकता का संदेश दिया है। उनके मुताबिक, महाकुंभ केवल भारत की ही नहीं, बल्कि वैश्विक आध्यात्मिकता का भी केंद्र है। मेला क्षेत्र में आयोजित 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेघवाल ने कहा, हमारा संविधान एक जीवंत दस्तावेज

है जो जीवन जीने की राह दिखाता है। केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री ने कहा, हमारे संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात कही गई है। त्रिवेणी के संगम क्षेत्र में आयोजित यह भव्य महाकुंभ संविधान में वर्णित समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व को प्रदर्शित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन 75 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था। उनके मुताबिक, राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के तीनों रंग और 24 तीलियां विभिन्न गुणों को प्रदर्शित करती हैं और इन गुणों को अपने जीवन में उतारने का मौका प्रदान करती हैं। मेघवाल ने कहा कि संगम क्षेत्र में 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' अभियान का आयोजन, इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन के दौरान ही संपन्न होना विशेष महत्व रखता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दु:ख भोगता है। सुख- दु:ख का कर्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

बालाजी डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में दीक्षांत समारोह आयोजित

31वें बैंच के 106 स्नातक विद्यार्थियों को मिली मान्यता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दंत चिकित्सा एवं शोध में अग्रणी संस्थान श्री बालाजी डेंटल कॉलेज और अस्पताल ने अपने 31वें बैच के छात्रों के स्नातक की शिक्षा पूर्ण होने के अवसर पर दीक्षांत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 106 स्नातक छात्रों को शैक्षणिक उपलब्धियों और समर्पण को मान्यता दी गई। शीर्ष 3 रैंक धारकों को पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के वाइस चांसलर डॉ. पुनीत बत्रा, सूचना एवं प्रसारण विभाग के पूर्व मंत्री डॉ. एस. जगतरक्षकन उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालाजी डेंटल कॉलेज की अध्यक्ष डॉ. जे. श्रीनिषा, प्रबंध निदेशक ईआरएन. एलामारन व डॉ. एस. भूमिनाथन ने की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. पुनीत बत्रा ने कहा कि हम सभी को आज इन छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व है ये छात्र मौखिक स्वास्थ्य सेवा के उज्वल भविष्य को आकर देंगे ये युवा अपने क्षेत्र में प्रभाव डालने के लिए ज्ञान, कौशल और दृढ़ संकल्प से जीवन में ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे हम इन्हें सीखने, नवाचार करने और ईमानदारी के साथ लोगों की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करते है। डॉ. जे. श्रीनिषा ने स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के लिए छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को दूसरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने और अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करके अपने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। एसबीडीसीएच के डीन डॉ. एमएस कन्नन ने कहा कि उन्हें 31वें बैच के स्नातकों पर बहुत गर्व है। दंत चिकित्सा के प्रति उनका समर्पण और जुनून दंत चिकित्सा के भविष्य में विश्वास जगाएगा।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 176 लोगों की जांच हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लॉयंस क्लब ऑफ आवडी एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के तत्वावधान में अरिक्कम्बेड्डु हाई स्कूल शनिवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में 176 रोगियों ने चिकित्सा जांच का लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि अभिषेक नाहर ने किया। उन्होंने ग्रामीण गांवों में इस तरह के शिविर आयोजित करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा हम तिरुवल्लूर के ग्रामीण गांवों में विभिन्न शिविर आयोजित करेंगे और जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क चश्मा प्रदान करेंगे। शिविर में सविता मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की टीम ने जांच में सहयोग किया और मोबाइल यूनिट द्वारा एक्स-रे और अन्य बुनियादी जांच की सुविधा प्रदान की। जरूरतमंद लोगों को दवाइयां भी वितरित की गईं। इस मौके पर स्कूल के 775 छात्रों को स्टेशनरी किट प्रदान की गईं।

फोरम की अध्यक्ष बबीता चोपड़ा ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए ऐसे चिकित्सा शिविरों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा ये पहल जागरूकता पैदा करने और समुदायों को उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण हैं। लॉयंस क्लब ऑफ आवडी के अध्यक्ष राहुल बोहरा ने छात्रों को अपनी परीक्षाओं में जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस दौरान लायंस क्लब ऑफ आवडी के अध्यक्ष लॉयन के. राहुल बोहरा, सचिव लॉयन पी. एलंगो, कोषाध्यक्ष लॉयन एस. शिवकुमार तथा तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम की अध्यक्ष बबीता चोपड़ा, कोषाध्यक्ष सुमित दफ्तरी, सचिव जयेश डागा, चिकित्सा संयोजक डॉ. सुरेश सकलेचा, डॉ. मोहित मूथा, डॉ.कमलेश नाहर, डॉ. नवीन पटावरी, दिनेश धोका सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

डॉ. अग्रवाल्स हेल्थकेयर का ऑईपीओ 29 जनवरी को खुलेगा

382 से 402 रुपए प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नेत्र देखभाल सेवा उद्योग में एक विश्वसनीय ब्रांड और क्रिसिल एमआईएंडए रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024 के लिए परिचालन से राजस्व के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी नेत्र देखभाल सेवा श्रृंखला डॉ. अग्रवाल्स हेल्थकेयर लिमिटेड एक रुप अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 382 से 402 रुपए का मूल्य बैंड तय किया है। कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ या ऑफर) 29 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 1 जनवर को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 35 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 35 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। इस निर्गम में 1,579,399 इक्विटी शेयरों तक का कर्मचारी आरक्षण हिस्सा और 1,129,574 इक्विटी शेयरों तक का शेयरधारक आरक्षण है। यह आईपीओ 300 करोड़ रुपए तक के नए निर्गम और प्रमोटरों, निवेशकों और अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 67,842,284 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश का मिश्रण है। इसके नए निर्गम से प्राप्त 195 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग इसके कुछ उधारों के आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा और शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और अज्ञात अकार्बनिक अधिग्रहणों के लिए किया जाएगा। डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर के अध्यक्ष डॉ. अमर अग्रवाल के नेतृत्व में जिनके पास नेत्र देखभाल सेवा उद्योग में 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है, ने नेत्र विज्ञान में कई सर्जिकल नवाचारों का बीड़ा उठाया है और दुनिया भर में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में कई शोधपत्र प्रकाशित किए हैं।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में लाभान्वित हुए विशेष देखभाल वाले 200 बच्चे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजय संभव फाउंडेशन द्वारा विशेष जरूरतों वाले बच्चों की सेवा के उद्देश्य से मात्रु लर्निंग सेंटर फॉर चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 200 से अधिक बच्चों की आंखों की जांच की गई।

आवश्यकतानुसार जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त चश्मे प्रदान किए जाएंगे। अलोका विज़न प्रोग्राम की टीम ने शिविर में चिकित्सीय सहयोग दिया। फाउंडेशन के अध्यक्ष रवि राजहंस ने सभी डाक्टरों व आश्रम के प्रबंधकों को धन्यवाद दिया।

'सुखी व निरोगी जीवन के लिए तन व मन पर नियंत्रण अति आवश्यक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वसंतनगर स्थित रुणवाल भवन में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में विनयमुनिजी खींचन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सुनना, देखना, सूंघना,चखना तथा स्पर्श ये पांचो इन्द्रियों के गुण है। मानव ने पांचो शक्तियों का प्रयोग पर नियंत्रण खो दिया है। आंखों के अधिक उपयोग करने से छोटे बच्चों को भी चश्मे लग गए, आंखों- कानों का अधिक उपयोग से 'निद्रा' का बेलेन्स बिगड़ने लगा है, डिपरेशन की बीमारी बढ़ गई है। भगवान महावीर ने सूत्रों में रोग आने के नव कारणों में अधिक खाना, अहितकारी खाना अधिक जागना इन्द्रियों में शक्ति घट रही है। पांचों इन्द्रियों का बैलेन्स बिगड़ रहा है। सोते ही नहीं आती है निद्रा, मन शांत नहीं होता है। मन के अति चिन्तन से भाषा घर घर में झगड़े करा रही है। काया से पसीना नहीं निकल रहा है। (श्रमिकों को छोड़कर) इससे रोग बढ़े है। मानव की तीन खुराक को नियंत्रण में रखना होगा तभी जीवन में रोग से मुक्ति होगी। सुखी व निरोगी जीवन के लिए तन व मन पर नियंत्रण अति आवश्यक है।

माहेश्वरी सभा द्वारा महाकुंभ यात्रा के लिए 116 यात्री रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा के 116 यात्री हवाई मार्ग से महाकुंभ मेला प्रयागराज के रवाना हुए। 30 जनवरी तक चलने वाले इस 6 दिवसीय महाकुंभ मेला प्रयागराज यात्रा में समाज के सदस्य वाराणसी, काशी विश्वनाथ, विंध्याचल विंध्यवासिनि देवी, प्रयागराज महाकुंभ स्नान, अयोध्याजी राम लल्ला, नेमीशरण्य दर्शन एवम विभिन्न रमणीय स्थलों की यात्रा करेंगे।

इस वर्ष महाकुंभ यात्रा प्रोजेक्ट संयोजक सभा संगठन मंत्री सत्यनारायण मालानी के साथ सहकोषाध्यक्ष विनीतकुमार बियानी, पूर्व अध्यक्ष निर्मलकुमार तापडिया एवं सभा उपाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी के अगवाई में संपूर्ण योजना को साकार रूप दिया गया है। सभा अध्यक्ष नवलकिशोर मालू ने सभी को तीर्थ यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए महाकुंभ मेले के लिए रवाना किया।

केरल में फोन पर पत्नी को तीन तलाक कहने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम। केरल में फोन पर पत्नी को एक साथ तीन तालक कहने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि कोल्लम जिले के म्यनागपल्ली निवासी अब्दुल बासित को दो दिन पहले गिरफ्तार किया गया और उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि बासित पर मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम तथा बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा वह फिलहाल चावरा उपजेल में न्यायिक हिरासत में है।

पुलिस के मुताबिक बासित को उसकी 20 वर्षीय पत्नी की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया जो कोल्लम की चावरा की रहने वाली है। शिकायत के अनुसार बासित ने अपनी पहली शादी के बारे में खुलासा किये बगैर दूसरा निकाह किया था। इस दूसरे विवाह के बाद बासित कथित रूप से उसे एक किराये के मकान में ले गया क्योंकि उसकी पहली पत्नी उसके पारिवारिक मकान में रह रही थी।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब उसे पहली शादी का पता चला तो उसने बासित से उसके बारे में पूछा, इसपर उसका मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न किया जाने लगा।

शिकायतकर्ता का कहना है कि बासित ने एक और महिला से शादी कर लेने की भी धमकी दी जिसके बाद उनके बीच बात और बिगड़ने लगी। शिकायत में कहा गया है कि दोनों के बीच झगड़े के बाद शिकायतकर्ता अपने मायके आ गयी।

जीतो लेडीज विंग ने नई सदस्याओं के स्वागत में आयोजित किया ओरियंटेशन प्रोग्राम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा नए सदस्याओं के स्वागत हेतु ओरियंटेशन प्रोग्राम का आयोजन राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में किया गया। चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया, जबकि मंत्री रक्षा छाजेड़ ने सत्र का संचालन किया। कार्यक्रम में नए सदस्याओं को जीतो संस्था के मूल उद्देश्य-शिक्षा, सेवा और आर्थिक सुदृढ़ता, पॉलिसी, कार्य प्रणाली, संविधान और आगामी अवसरों की जानकारी प्रदान की गई। जीतो केकेजी जोन के महामंत्री एवं मुख्य प्रशिक्षक दिलीप जैन ने बताया कि जीतो एक अद्वितीय संगठन है, जो जीत के साथ सर्व समाज को जोड़ने का काम करता है।

उन्होंने जीतो द्वारा संचालित विभिन्न प्रोजेक्ट्स, जैसे समाज कल्याण, व्यवसाय विकास और प्रशासनिक तैयारियों पर प्रकाश डाला। उनका कहना था कि जीतो का मुख्य लक्ष्य सबका स्थायी उत्थान है। उन्होंने अपेक्स द्वारा निर्धारित बी2बी, स्किल डेवेलपमेंट, फाइनेंशियल लिटरेसी, मेंबरशिप ड्राइव, मैट्रिमोनी और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

नए सदस्यों ने अपने प्रश्नों के माध्यम से समाधान प्राप्त किया। मुख्य वक्ता का परिचय संयोजिका मीना बडेरा ने कराया, जबकि सह संयोजिका ज्योति सोलंकी ने व्यवस्था संभाली। मुख्य प्रशिक्षक दिलीप जैन का जीतो परिवार की ओर से सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर जीतो नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया और महामंत्री विजय सिंघवी ने इस आयोजन की सराहना की। इस अवसर पर पूर्व चेयरपर्सन निशा सामर, पिंकी जैन, बिंदु रायसोनी, मेंटर रेशमा पुनमिया, जीतो नॉर्थ कार्यसमिति की उपाध्यक्ष सुमन वेद मुथा और सुमन सिंघवी, कोषाध्यक्ष तनूजा मेहता, रत्नी बाई मेहता, संगीता नागोरी, साधना धोका, नेहा भंडारी, रक्षा मांड़ोत समेत सभी नए सदस्य उपस्थित थे। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने धन्यवाद दिया।

प्रभु प्रतिमा के अठारह अभिषेक का भव्य आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुशील धाम में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी, मुनिश्री पदमजीतसागरजी, साध्वीश्री संयमप्रभाश्रीजी के सान्निध्य में प्रभु प्रतिमा के अठारह अभिषेक का भव्य आयोजन किया गया जिसमें ऊटी, कुन्नूर, कोयम्बटूर, चेन्नई, सोलापुर, मुम्बई, बेंगलूरु से साध्वीश्री संयमप्रभाजी के संसारिक परिवारजन शामिल हुए। सभी श्रद्धालुओं ने विभिन्न औषधियों, दूध, घी, आदि ने प्रभु पार्श्वनाथजी का अभिषेक किया।

इस मौके पर आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में चल रही उपधान तप के सैंकड़ों तपस्वियों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने धर्म के महत्त्व व तप की महिमा के बारे में बताया। इस मौके पर ऊटी और चेन्नई के लाभार्थी परिवार शांतिलाल, पूनमचंद सुदीप, प्रणीत गोलेछा और कोयंबतूर के निहालचंद श्रीचंद कोचर द्वारा सभी उपधान तपस्वियों को रजत पदक प्रदान कर सम्मान किया।शाम को साध्वीजी द्वारा ध्यान का अभ्यास कराया गया। सबका स्वागत भंवरीबाई सुराणा ने किया। धन्यवाद सुशील कोचर ने दिया। यह जानकारी किशोर जैन ने दी।

गुरु गणेश सेवा समिति ने गौशालाओं को दिया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा विभिन्न गौशालाओं में अर्थ सहयोग प्रदान किया गया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना ने विश्व प्राणी कल्याण मंडल द्वारा संचालित गौतीर्थ भगवान महावीर जीव रक्षा धाम देवगानहल्ली, रामसमुद्रम के संचालक स्वामी दयानंद स्वामी एवं जीवदया गौशाला होसकोटे के संचालक दीपक भंडारी को समिति द्वारा सहयोग राशि के चेक प्रदान किए।

चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने समिति की ओर से सहयोग राशि प्रायोजक ललित कानूंगा परिवार को धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.